Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
वेलकम इंडिया
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 202 | शुक्रवार, 31 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

'पेपर लीक गैंग बख्शे नहीं जाएंगे'

परीक्षा संशोधन बिल पर पीएम मोदी का नया वीडियो संदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। परीक्षा संशोधन बिल को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार रात वीडियो संदेश जारी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद ने एक ऐसा बिल पास किया है जो हमारी परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाता है। गुरुवार को राज्यसभा में परीक्षा संशोधन बिल (सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026) पास हो गया है। पीएम ने 2 मिनट 26 सेकेंड के वीडियो में पेपर लीक और छात्रों से जुड़ी बातें कीं। महज कुछ मिनट में उनके वीडियो पर लाखों लाइक्स और व्यूज आ गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए वीडियो मैसेज में, 'एंटी-पेपर लीक बिल' के पास होने की तारीफ की और कहा, 'विश्वस्त परीक्षा पद्धति बनाने के लिए एक के बाद एक लगातार कदम उठा रहे हैं। टास्क फोर्स का गठन हो, फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाना हो, राज्यों के सुझावों को ध्यान में लेना हो।' आगे कहा,

'टेक्नोलॉजी के भी उपयोग की आवश्यकता'

उन्होंने कहा, 'पिछले कई दशकों से हर राज्य और केंद्र सरकार इस प्रकार की पेपर लीक की परेशान झेल रहा है। इससे बच्चों के भविष्य पर भी संकट पैदा हो रहा है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए देशव्यापी– सभी राज्यों और केंद्र में शिक्षा प्रणाली में सुधार बहुत जरूरी हो गया है। टेक्नोलॉजी की भी भरपूर उपयोग की आवश्यकता हो गई है।'

'फिर से कोई पेपर माफिया, पेपर लीक करने वाली गैंग, देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली गैंग- उनको बख्शा नहीं जाएगा। अब हमें इनसे निपटने के लिए कठोर कानूनों की भी जरूरत है। ऐसे में हम संसद में बिल लेकर कर गए थे और जैसा आपसे मैंने वादा किया था, दो दिन संसद के दोनों सदनों में अधिकतम मान्य सांसदों ने इस पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और सहमति दी। आज दोनों सदनों ने इस कठोर कानूनों वाले, प्रावधानों वाले इस बिल को पास कर दिया है। अब विश्वस्त परीक्षा पद्धति की दिशा में जाने में एक अहम काम पूर्ण हुआ है। काम आगे भी चलता रहेगा। हम ऐसी परिस्थितियों को लंबे समय तक नहीं चलने देंगे। इस विश्वास के साथ साथियों, आइए हम सब मिलकर के विकसित भारत के स्वप्न को पूर्ण करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर के चलें।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस पीएम और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले सोशल मीडिया हैंडलों को नोटिस जारी कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक ऋक्रफदर्ज की है जिसके आधार पर से भी उन सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मांगी गई है जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पीएम और सुरक्षाबलों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

रामलीला में असलहा लहराकर दंगा करने वाले को मिट्टी में ही दफन होना पड़ेगा: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने गाजीपुर में किया 692 करोड़ की 268 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाजीपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि समाज को बांटने वाले लोग विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी को सम्मानित करते हैं। वे असलहा लहराने वाले दुर्दांत माफिया के सामने नाक रगड़ते थे और माफिया की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ते थे। हमारी सरकार ने जीरो टॉलरेंस के तहत माफिया को मिट्टी में मिला दिया। अब गरीब का बेटा रामलीला का आयोजन करता है तो कोई असलहा लहराकर दंगा करने का दुस्साहस नहीं कर सकता, क्योंकि उसे मालूम है कि ऐसा करने वालों को मिट्टी में ही दफन होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को गाजीपुर में 692 करोड़ रुपये की 268 विकास

परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इन परियोजनाओं का लाभ गाजीपुर, जखनिया, मोहम्मदाबाद, सैदपुर, जमानिया, जहूराबाद व जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। सीएम ने लोकार्पण व शिलान्यास वाली योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। इस मौके पर सीएम ने गाजीपुरवासियों से अपील की कि ऐसे जनप्रतिनिधि चुनिए, जो आपकी पैरोकारी कर सकें। ऐसे सांसद नहीं चाहिए, जो अवैध असलहा लाइसेंस बनाने में व्यस्त हों। ऐसे जनप्रतिनिधि नहीं चाहिए जो फर्जी लाइसेंस बनाकर जनता के घरों में डकैती व अवैध कब्जा करने का दुस्साहस करें। सीएम ने कहा कि अब गाजीपुर के स्प्रिचुअल टूरिज्म से जुड़े स्थानों का विकास हो रहा है। लहुरी काशी के रूप में विख्यात गाजीपुर का अलग महत्व है। जो जनपद पौहारी बाबा का आश्रम, भगवान परशुराम, महर्षि जमदग्नि का महत्पूर्ण केंद्र रहा है, वहां माफिया का पनपना शोभा नहीं देता।

ये माफिया किसी के नहीं होते। ये समाज का खून चूसते हैं। गरीबों का शोषण, व्यापारियों को भयभीत और बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाते हैं। सीएम ने कहा कि पूर्व विधायक कृष्णानंद राय ने माफिया के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, लेकिन सत्ता के संरक्षण में पल रहे माफिया ने निर्ममता व बर्बरता के साथ कृष्णानंद राय के साथ ही सात युवाओं की हत्या कर दी थी। सारे सबूत होने के बावजूद माफिया को सत्ता का संरक्षण मिलता रहा, परंतु अब माफिया को संरक्षण नहीं मिल सकता, ऐसा करने वालों की दुर्गति तय है।

पेलेट गन पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया साफ इंकार, दिल्ली पुलिस ने भी एफआईआर वापसी पर लगा दी शर्त!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन के इस्तेमाल से उठे विवाद ने अब कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर नया मोड़ ले लिया है। एक ओर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों में बदलाव किए बिना पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। वहीं दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने राहत देते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज 13 एफआईआर वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि हिंसा में शामिल आरोपियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को इस राहत के दायरे से बाहर रखा गया है।

हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने पेलेट गन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं की सुनवाई करते

हुए कहा कि यदि याचिकाकर्ता इन हथियारों को पूरी तरह समाप्त कराना चाहते हैं तो उन्हें उन कानूनी प्रावधानों को ही संविधान के अनुच्छेद-21 के विरुद्ध चुनौती देनी होगी, जो असाधारण परिस्थितियों में भीड़ नियंत्रण के लिए इनके इस्तेमाल की अनुमति देते हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी साफ किया कि वह किसी विशेष घटना में पेलेट गन के कथित दुरुपयोग की जांच करने को तैयार है। अदालत ने केंद्र सरकार और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) के महानिरीक्षक को नोटिस जारी करते हुए जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए CJP प्रदर्शन के दौरान तैनात RAF जवानों के हथियारों और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया।

हम आपको बता दें कि पूर्व आईबी विशेष निदेशक यशोवर्धन आजाद और दो घायल युवकों की ओर से दायर याचिकाओं में धातुयुक्त पेलेट गनों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन्हें 'कम घातक' हथियार बताया जाता है, लेकिन नजदीक से चलाए जाने पर ये आंखों सहित शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने 19 वर्षीय साहिल लोछाब की आंख में लगी गंभीर चोट का हवाला देते हुए इसे पुलिस बल प्रयोग की क्रूरता का उदाहरण बताया।

याचिकाकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र के 'लेस लेथल वेपन्स' संबंधी दिशा-निर्देशों का भी उल्लेख किया, जिनमें भीड़ पर धातुयुक्त पेलेट इस्तेमाल करने को आवश्यकता, आनुपातिकता और तर्कसंगतता के संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत बताया गया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया कि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPRD) की भीड़ नियंत्रण संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) में पेलेट गन के इस्तेमाल का उल्लेख नहीं है। हालांकि न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि संबंधित दस्तावेज केवल एक प्रस्ताव है और मौजूदा व्यवस्था में भीड़ नियंत्रण के लिए 'ग्रेडेड रिस्पॉन्स' के तहत पेलेट गन का भी प्रावधान मौजूद है।

अदालत ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण छात्र आंदोलनों और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों में अहिंसक तरीके अपनाए जाने चाहिए, लेकिन कई बार शांतिपूर्ण आंदोलन असामाजिक तत्वों द्वारा हिंसक रूप ले लेते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के पास अलग-अलग स्तर के बल प्रयोग के विकल्प होना भी आवश्यक है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र से पूछा कि यदि पेलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े कोई स्थायी आदेश या दिशानिर्देश हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की कि BPRD की सलाह और दिशानिर्देश ऑनलाइन उपलब्ध होने चाहिए ताकि पुलिस प्रशासन में पारदर्शिता बनी रहे।

हर पुर्जा भारत में ही बने: एयर चीफ मार्शल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भविष्य की जंग की तैयारी भारत की डिजाइन लैब और स्टार्टअप हब में जोर-शोर से चल रही है, लेकिन देश के टॉप एयर कमांडर के मुताबिक, असल आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। भारत ड्रोन एंड रोबोटिक्स मंथन 3.0 कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भारतीय वायु सेना (कअऋ) के लिए घरेलू इंडस्ट्री और इनोवेटर्स के साथ मिलकर काम करने का एक मजबूत रोडमैप पेश किया। आजकल की लड़ाई में कम लागत वाले बिना पायलट वाले सिस्टम की भूमिका अहम होती जा रही है। इसे देखते हुए एयर चीफ ने जोर दिया कि भारत के डिफेंस सेक्टर को नई टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में सबसे आगे रहना होगा, क्योंकि जरा सी भी हिचकिचाहट का ऑपरेशन के दौरान भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन से जुड़ी सटीक जरूरतों को तय करने की ज़िम्मेदारी पूरी तरह से यूजर की है।

उन्होंने हाल ही में बने 'डायरेक्टरेट ऑफ एयरोस्पेस डिजाइन' को स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के साथ सीधे जुड़ने के लिए एक खास माध्यम बताया। उन्होंने कहा जरूरत हमें ही बतानी होगी। हमारे पास 'डायरेक्टरेट ऑफ एयरोस्पेस डिजाइन' है... जो इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स और उन सभी लोगों से बातचीत कर सकता है जो यह जानना चाहते हैं कि हमारी जरूरतें क्या हैं और हम किस तरह के ड्रोन, उपकरण या सेंसर चाहते हैं। मूल्यांकन की पुरानी और धीमी प्रक्रियाओं से बचने के लिए, IAF ने सितंबर में 'ड्रोनथॉन 2026' की घोषणा की है। इसमें कंपनियों को पेपर प्रेजेंटेशन या रिकॉर्डेड वीडियो के बजाय अपने प्रोडक्ट का लाइव डेमो दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया है। विदेशी सप्लाई चेन से जुड़ी कमजोरियों की ओर इशारा करते हुए, एयर चीफ ने घरेलू स्तर पर महारत हासिल करने का जोरदार आ'ान किया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, 'हर एक चीज (हर ईंट) भारत में ही बननी चाहिए। तभी हम कह पाएंगे कि हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर हैं। अफसरशाही की वजह से होने वाली देरी के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि 'टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब है टेक्नोलॉजी का न मिल पाना।' उन्होंने पूरे देश को साथ लेकर चलने वाले नजरिए की अपील की, जिसमें एकेडेमिया, रेगुलेटर, निवेशक और मैन्युफैक्चरर मिलकर काम करें ताकि समाधानों को लैब से फ्रंटलाइन तक ले जाया जा सके। यह ध्यान में रखते हुए कि ड्रोन को इंसानों द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म की जगह लेने के बजाय उनके पूरक के तौर पर डिजाइन किया गया है, IAF की सक्रिय पहल एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। यह ऑपरेशनल चुनौतियों को भारत के तेजी से बढ़ते एयरोस्पेस उद्यमियों के लिए मिलकर काम करने के मौकों में बदल रही है।

राज्यसभा में 'मनुस्मृति' पर घमासान, खड़गे के बयान पर खड़गे का वार, अंश रिकॉर्ड से बाहर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस तब शुरू हुई जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'पेपर लीक विरोधी बिल' पर चर्चा के दौरान मनुस्मृति का ज़िक्र किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर बहस में हिस्सा लेते हुए, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर होती जा रही है और विश्वविद्यालयों में अहम पदों पर फ्रर से जुड़े लोगों को नियुक्त किया जा रहा है।

खड़गे ने यह भी दावा किया कि स्कूल और यूनिवर्सिटी के सिलेबस में बदलाव किए जा रहे हैं और मनुस्मृति का ज़िक्र करते हुए आरोप लगाया कि यह शिक्षा में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देती है। खड़गे ने आरोप लगाया

कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया है, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इन टिप्पणियों के तुरंत बाद एनडीए सांसदों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके चलते सदन में नारेबाजी और बार-बार व्यवधान उत्पन्न हुआ। सदन के नेता जेपी नड्डा ने खड़गे के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ये बातें सच से बहुत दूर हैं और इनसे देश में गलत संदेश जा सकता है। बहस के दौरान किए गए ज़िक्र पर आपत्ति जताते हुए नड्डा ने कहा कि खड़गे को अपने बयान की पुष्टि करनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि हम विपक्ष के नेता की बात शांति से सुन रहे हैं और लोकतंत्र में ऐसा करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। लेकिन मैं विपक्ष के नेता से गुजारिश करता हूँ कि वे गुस्से में आकर न बोलें या असंसदीय भाषा का इस्तेमाल न करें। उन्होंने अभी जो वाक्य इस्तेमाल किया है, वह असंसदीय है और उसे कार्यवाही से हटा दिया जाना चाहिए। उन्हें भावुक होकर ऐसी बातें कहने से बचना चाहिए। जब बहस तेज हुई, तो राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने दखल दिया और आदेश दिया कि मनुस्मृति और उद्धृत सामग्री के बारे में खड़गे की टिप्पणियां आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं होंगी। बहस के दौरान खड़गे ने तर्क दिया कि पेपर लीक रोकने के लिए प्रस्तावित कानून से सिर्फ.सजा बढ़ाने या फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने से समस्या हल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, सिस्टम में सुधार करके प्रश्न-पत्र लीक होने से रोकने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। खड़गे ने केंद्र सरकार पर शिक्षा का व्यवसायीकरण करने का आरोप भी लगाया और कहा कि गरीब छात्रों को समान अवसर मिलने में लगातार रुकावटें आ रही हैं।

कर्नाटक में एचआईवी संक्रमण! 18-25 साल के 7000+ युवा संक्रमित, कॉलेजों में अनिवार्य हुआ टेस्ट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में युवाओं के बीच एचआईवी संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। हाल ही में 18 से 25 साल की उम्र के 7,000 से ज्यादा छात्र और अन्य लोग इस वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए, कर्नाटक राज्य एड्स रोकथाम सोसाइटी (KSAPS) के निर्देश पर राज्य सरकार ने सभी कॉलेजों– सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी – में एचआईवी टेस्टिंग और काउंसलिंग कैंप लगाना अनिवार्य कर दिया है। सरकार

नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (NACO) के आंकड़ों के अनुसार, ऌक्र के साथ जी रहे लोगों की संख्या के मामले में कर्नाटक देश में तीसरे स्थान पर है। राज्य में अभी लगभग 2,60,000 लोग इस वायरस के साथ जी रहे हैं, जिनमें से लगभग 2,05,000 लोग एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) ले रहे हैं। कर्नाटक राज्य एड्स रोकथाम सोसाइटी (KSAPS) की अगुवाई में यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब युवाओं में एचआईवी संक्रमण

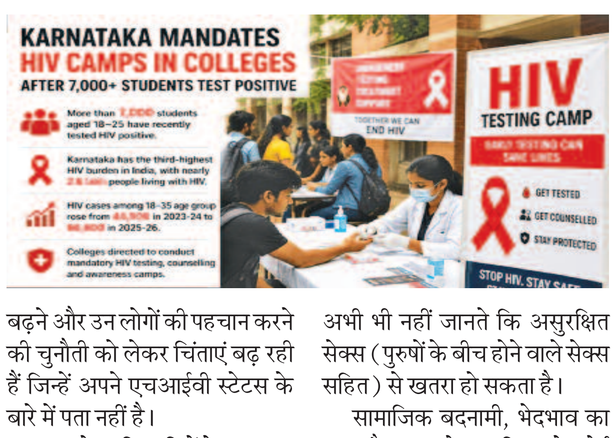

बढ़ने और उन लोगों की पहचान करने की चुनौती को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं जिन्हें अपने एचआईवी स्टेटस के बारे में पता नहीं है।

राज्य के अधिकारियों के अनुसार, कर्नाटक में अनुमानित 56,406 लोग ऐसे हैं जिन्हें यह नहीं पता कि वे ऌक्र के साथ जी रहे हैं, इसलिए शुरूआती जांच और बीमारी का पता लगाना सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्राथमिकता बन गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि 18 से 35 साल के लोगों में यह संक्रमण सबसे तेजी से फैल रहा है। इस उम्र के ग्रुप में ऌक्र-पॉज़िटिव लोगों की संख्या 2023-24 में 44,500 से बढ़कर 2025-26 में 66,600 हो गई। अधिकारियों का कहना है कि युवाओं में संक्रमण फैलने के तरीकों के बारे में जानकारी अभी भी कम है; कई लोग अभी भी नहीं जानते कि असुरक्षित सेक्स (पुरुषों के बीच होने वाले सेक्स सहित) से खतरा हो सकता है।

सामाजिक बदनामी, भेदभाव का डर और यह सोचना कि मुझे कोई खतरा नहीं है - इन वजहों से अपनी मजी से टेस्ट करवाने वालों की संख्या कम है, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। इंजीनियरिंग और डिग्री कॉलेजों में एचआईवी टेस्टिंग, स्क्रीनिंग और काउंसलिंग के लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप लगाए जाएंगे। इस पहल को लागू करने में विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (VTU) और डिपार्टमेंट ऑफ कॉलेजिएट एजुकेशन शामिल होंगे। कॉलेजों में रेड रिबन क्लब का इस्तेमाल पहले से ही डिबेट, नाटक और जागरूकता गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

सरकार बताए, गोली चलाने का आदेश किसने दिया : कांग्रेस

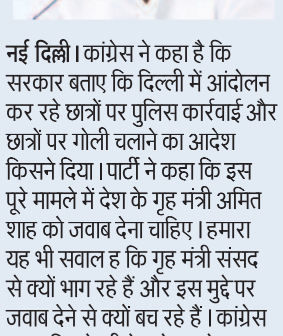

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार बताए कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया। पार्टी ने कहा कि इस पूरे मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह को जवाब देना चाहिए। हमारा यह भी सवाल ह कि गृह मंत्री संसद से क्यों भाग रहे हैं और इस मुद्दे पर जवाब देने से क्यों बच रहे हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और गोली चलाने का आदेश किसने दिया, इस सवाल का जवाब गृह मंत्री को देना चाहिए और उन्हें संसद में आना चाहिये, संसद आने से भागना नहीं चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता को संसद में बोलने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। सरकार को छात्रों पर हुई कार्रवाई के लिए जवाबदेह होना चाहिए और पूरे मामले की सच्चाई देश के सामने रखनी चाहिए।

संपादक की कलम से

आस्था की भव्यता अब प्रकृति को बोझ बनाती जा रही है

ललित शर्मा
संपादक

उत्सव कभी केवल मनुष्य के आयोजन नहीं थे; वे प्रकृति के साथ हमारी मौन आत्मीयता के प्रतीक थे। हमारी सांस्कृतिक परंपरा ने सिखाया कि आनंद तभी पूर्ण है, जब उसमें धरती, जल, वायु और समस्त जीवन के प्रति सम्मान हो। पर आज उत्सव जितने भव्य हुए हैं, उनका पर्यावरणीय बोझ भी उतना ही बढ़ा है। रोशनी, रंग और उल्लास के बीच प्लास्टिक की थैलियां, डिस्पोजेबल बर्तन और कृत्रिम सजावट हर पर्व का सामान्य हिस्सा बन चुके हैं। उत्सव समाप्त होते ही यही कचरा सड़कों, नालों, नदियों और सार्वजनिक स्थलों पर बिखर जाता है। सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि प्लास्टिक बढ़ रहा है, बल्कि यह है कि जिस प्रकृति ने उत्सव को संभव बनाया, वही सबसे अधिक उपेक्षित रह जाती है। प्रश्न केवल प्लास्टिक का नहीं, उस सांस्कृतिक चेतना का है, जिसमें कभी उत्सव और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक थे। सभ्यताएँ त्योहार बदलने से नहीं, उनके स्वभाव बदलने से बदलती हैं। कभी पर्वों की तैयारी मिट्टी, पत्तों, बांस, कपास और प्राकृतिक रेशों से होती थी। पूजा, प्रसाद और सजावट—सब कुछ प्रकृति से आता था और अपना उद्देश्य पूरा कर उसी में सहज विलीन हो जाता था। आज सुविधा, चमक और क्षणिक आकर्षण ने उस स्वाभाविक संतुलन को विस्थापित कर दिया है। परिणामस्वरूप, त्योहारों के दौरान शहरों में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। यही कचरा नदियों में बहकर, मिट्टी में दबकर और वातावरण में फैलकर सूक्ष्म प्लास्टिक कणों में बदल जाता है। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर धीरे-धीरे जल, भूमि, वायु और पूरे जीवन चक्र को विषाक्त करता रहता है। सुविधा ने जीवन सरल अवश्य किया है, पर उसके पर्यावरणीय मूल्य का लेखा-जोखा आज भी अधूरा है। समाधान भविष्य की प्रयोगशालाओं में नहीं, हमारी सांस्कृतिक स्मृति में है। भारतीय परंपरा ने प्रकृति को कभी संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। इसलिए प्राकृतिक बर्तन, सजावट और पैकेजिंग केवल उपयोग की वस्तुएँ नहीं थीं, बल्कि ऐसी जीवन-दृष्टि का हिस्सा थीं, जिसमें उपभोग और संरक्षण साथ चलते थे। आज जब कुछ समुदाय सूती बैनरों, बागास की प्लेटों, प्राकृतिक रेशों और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपना रहे हैं, तो वे केवल पुराने साधन नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विवेक को पुनर्जीवित कर रहे हैं, जिसने सदियों तक प्रकृति और समाज का संतुलन बनाए रखा। यह परिवर्तन सिद्ध करता है कि उत्सव की भव्यता और पर्यावरण संरक्षण विरोधी नहीं, पूरक हैं। आधुनिकता तभी सार्थक है, जब वह परंपरा की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए नए साधनों का विवेकपूर्ण चयन करे। आस्था की सबसे बड़ी पहचान उसकी भव्यता नहीं, बल्कि उसके बाद बचने वाली स्वच्छता है। प्रत्येक धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव पवित्रता, स्वच्छता और सामूहिक अनुशासन का संदेश देता है। इसलिए यदि उत्सव स्थल प्लास्टिक मुक्त हों, प्रसाद वितरण में प्राकृतिक विकल्प अपनाए जाएँ और आयोजन के बाद सफाई को केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संस्कार माना जाए, तो पर्वों का उद्देश्य और अधिक सार्थक हो जाएगा। अनेक समुदाय इस दिशा में प्रेरक उदाहरण बन चुके हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि आधुनिक सुविधाओं के साथ भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहा जा सकता है। जब श्रद्धा के साथ पर्यावरण-बोध जुड़ता है, तब उत्सव केवल परंपरा का निर्वाह नहीं करते, बल्कि समाज के लिए आदर्श आचरण भी गढ़ते हैं। प्लास्टिक ने केवल पर्यावरण को ही नहीं, हमारे कारीगरों की आजीविका को भी गहरी चोट पहुंचाई है।

परख हो देश की गद्दार

उदय कशोर साह

कविता

माँ भारती के जो थे सच्चे वो सपूत
रो रहे स्वर्ग में देख कर . कुछ कपूत
मातृभुमि के लिये हमने दी थी शहादत
अंग्रेजों से जिन्होंने कर दी थी बगावत

कैसी हालात पैदा कर दिया ये नालायक
राष्ट्रभक्त कहने के नहीं है ये लायक
घर बाहर खेल रहा शतरंज की चाल
सत्ता पाने के लिये कर रहा है बवाल

इस मिट्टी से जिनको भी है आज मोहब्बत
वो कब करते हैं देश से कभी भी अदावत
राष्ट्रहित की जो भी करेगा यहाँ संवाद
उन्हें ही देश में रहने का हक हो जनाब

राष्ट्रविरोधी से सदैव रहना है होशियार
सफेदपोश के भीतर बैठा है धूर्त सियार
अय देश के कानून करो इन सब पे प्रहार
कौन कौन है परख पहले ऐसे गद्दार

हम हिन्द के सपूत ये धरती है मेरी माता
मेरे लिये ये मिट्टी है जीवन का। दाता
इस मिट्टी के कण कण से हमें है प्यार
हजारों जन्म ले करते रहेंगें न्यौछावर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक: ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

छात्र प्रदर्शन की आड़ में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को जायज ठहराने में जुटा विपक्ष

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। किसी भी राष्ट्र की जीवंतता का प्रमाण यही है कि उसके नागरिक, विशेषकर युवा और छात्र, अपनी बात निर्भीकता से रख सकें, सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठा सकें, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर सकें और अपने संवैधानिक अधिकारों का शांतिपूर्ण उपयोग कर सकें। छात्र आंदोलनों ने भारत सहित विश्व के अनेक देशों में सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा सुधार और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसलिए किसी भी छात्र आंदोलन को केवल इसलिए संदेह की दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा कि वह सरकार की आलोचना करता है।

लेकिन लोकतांत्रिक विरोध और ऐसी गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है जो हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश, या संविधान और कानून के विरुद्ध कार्यों में बदल जाएँ। जब किसी आंदोलन के दौरान राष्ट्रविरोधी माने जाने वाले नारे, हिंसक घटनाएँ या अलगाववादी विचारधाराओं के समर्थन जैसे आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जाँच और तथ्यों के आधार पर मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों का दायित्व भी बढ़ जाता है कि वे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और कानून के शासन—दोनों के पक्ष में संतुलित रुख अपनाएँ। भारत का लोकतंत्र केवल सत्ता पक्ष से नहीं चलता; उसकी मजबूती एक जिम्मेदार विपक्ष पर भी निर्भर करती है। विपक्ष का संवैधानिक दायित्व सरकार से प्रश्न पूछना, जनहित के मुद्दों को उठाना और वैकल्पिक नीतियाँ प्रस्तुत करना है। किंतु यदि किसी भी राजनीतिक दल—चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष में—का आचरण इस प्रकार दिखाई दे कि वह किसी घटना का मूल्यांकन तथ्यों से अधिक राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर कर रहा है, तो इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। इतिहास बताता है कि छात्र आंदोलनों की ऊर्जा परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होती है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों तक, युवाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई है। परंतु यही ऊर्जा यदि वैचारिक ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार, या बाहरी प्रभावों के कारण भटक जाए, तो उसके परिणाम समाज के लिए गंभीर हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आंदोलन की दिशा, नेतृत्व और उद्देश्य पर सार्वजनिक विमर्श होना स्वाभाविक है। राजनीतिक विमर्श में अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि कुछ दल छात्र आंदोलनों के हर स्वरूप का बिना पर्याप्त तथ्यात्मक परीक्षण किए समर्थन कर देते हैं, जबकि दूसरी ओर यह आरोप भी लगाया जाता है कि कुछ सरकारें हर असहमति को राष्ट्रविरोध से जोड़ देती हैं। दोनों ही अतिवादी दृष्टिकोण लोकतांत्रिक संवाद को नुकसान पहुँचाते हैं। लोकतंत्र में न तो हर प्रदर्शन राष्ट्रविरोधी होता है और न ही हर सरकारी कार्रवाई स्वतः सही या गलत मानी जा सकती है। प्रत्येक घटना का मूल्यांकन उसके उपलब्ध साक्ष्यों, न्यायिक प्रक्रिया और निष्पक्ष जाँच के आधार पर होना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल नारों तक सीमित नहीं है और असहमति का अर्थ राष्ट्रद्रोह नहीं है। साथ ही, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी पूर्णतः निरपेक्ष अधिकार नहीं है; वह संविधान और कानून द्वारा निर्धारित सीमाओं के अधीन है। यदि कोई व्यक्ति या समूह हिंसा के लिए उकसाता है, सार्वजनिक व्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित करता है या कानून का उल्लंघन करता है, तो उसका मूल्यांकन वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार होना चाहिए। इसी प्रकार, यदि किसी पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया जाता है, तो उसे भी विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्राप्त है। आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सोशल मीडिया के युग में आधी-अधूरी सूचनाएँ और भावनात्मक कथाएँ तथ्यों से अधिक तेजी से फैलती हैं। कई बार वीडियो, बयान या घटनाएँ संदर्भ से काटकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे समाज में अविश्वास और ध्रुवीकरण बढ़ता है। ऐसे वातावरण में राजनीतिक दलों, मीडिया और नागरिक समाज—सभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी निष्कर्ष पर न पहुँचें। मीडिया की भूमिका भी यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल सनसनी फैलाने का माध्यम बन जाए या किसी राजनीतिक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में बिना पर्याप्त प्रमाण के निष्कर्ष प्रस्तुत करे, तो समाज भ्रमित होता है। वहीं यदि मीडिया तथ्यों, दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रियाओं के आधार पर रिपोर्टिंग करे, तो वह लोकतंत्र का वास्तविक प्रहरी बनता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक अधिकार दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। एक ओर नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए, तो दूसरी ओर किसी भी प्रकार की हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति या कानून-विरुद्ध गतिविधियों के प्रति शून्य सहिष्णुता भी आवश्यक है। यह संतुलन ही एक परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है। छात्र राजनीति का उद्देश्य भविष्य के जिम्मेदार नागरिक और नेतृत्व तैयार करना होना चाहिए, न कि युवाओं को स्थायी वैचारिक टकराव या राजनीतिक ध्रुवीकरण का साधन बना देना। यदि छात्र केवल राजनीतिक दलों के विस्तार बनकर रह जाएँ, तो शिक्षा, शोध, नवाचार और राष्ट्रनिर्माण जैसे मूल उद्देश्य पीछे छूट जाते हैं। दूसरी ओर, यदि छात्रों की वास्तविक समस्याएँ—रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, छात्रवृत्ति, परिसर सुरक्षा और अवसरों की समानता—राजनीतिक शोर में दब जाएँ, तो लोकतंत्र भी कमजोर होता है। भारत को आज ऐसे विमर्श की आवश्यकता है जिसमें राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक माने जाएँ। विपक्ष का दायित्व सरकार से तीखे प्रश्न पूछना है, परंतु उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी विवादास्पद घटना पर अपना पक्ष तथ्यों और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर रखे। इसी प्रकार सत्ता पक्ष का दायित्व कानून का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना है, न कि हर आलोचना को राष्ट्रविरोध का पर्याय मान लेना। आखिरकार, किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, बल्कि यह होती है कि वह असहमति, कानून और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है। जब राजनीति तथ्यों से ऊपर उठकर केवल भावनाओं, ध्रुवीकरण और तात्कालिक लाभ का माध्यम बन जाती है, तब सबसे अधिक नुकसान लोकतंत्र और समाज को होता है। इसलिए आवश्यक है कि हर राजनीतिक दल, हर छात्र संगठन, हर नागरिक और हर मीडिया संस्थान यह याद रखे कि लोकतंत्र की रक्षा केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों से भी होती है। राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब विरोध भी संविधान की मयार्दा में होगा, सत्ता भी कानून के दायरे में रहेगी और हर गंभीर आरोप का निर्णय राजनीतिक मंचों पर नहीं, बल्कि प्रमाण, न्याय और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर होगा।

जंतर-मंतर छात्र आंदोलन: सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और संवैधानिक जवाबदेही की नई बहस

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर वैश्विक परिप्रेक्ष्य में लोकतंत्र की गुणवत्ता केवल चुनावों से नहीं,बल्कि इस बात से भी मापी जाती है कि राज्य असहमति,विरोध और सार्वजनिक आंदोलनों के साथ किस प्रकार व्यवहार करता है। अब छात्र आंदोलन पर बल प्रयोग का प्रश्न केवल पुलिस कार्रवाई या कानून- व्यवस्था तक सीमित विषय नहीं रह गया है।यह लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार, राज्य की सुरक्षा- ज़िम्मेदारी,बल प्रयोग की वैधानिकता,कमांड की जवाबदेही और न्यायिक निगरानी इन पांचों के बीच संतुलन का गंभीर संवैधानिक प्रश्न बन गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि 20 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर क्षेत्र में हुए छात्र प्रदर्शन और उसके दौरान रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़े मामले में 30 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों और निर्देशों ने इस बहस को राष्ट्रीय ही नहीं,बल्कि अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानकों के स्तर पर भी महत्वपूर्ण बना दिया है। न्यायालय ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि भीड़ नियंत्रण के नाम पर किसी भी विशेष प्रकार के बल का उपयोग सामान्य प्रशासनिक सुविधा का साधन नहीं हो सकता। बल प्रयोग की वैधानिकता केवल इस आधार पर निर्धारित नहीं होतीकि स्थिति तनावपूर्ण थी, बल्कि यह भी देखा जाता है कि वास्तविक खतरा कितना गंभीर था,क्या कम-हानिकारक विकल्प उपलब्ध थे,क्या कार्रवाई आवश्यक और अनुपातिक थी तथा क्या पूरी प्रक्रिया निर्धारित कानून और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप हुई। साथियों, 30 जुलाई 2026 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पुलिस को केवल अत्यंत गंभीर और असाधारण परिस्थितियों में ही पैलेट गन के उपयोग का अधिकार हो सकता है।यह टिप्पणी ग्रेडेड रिस्पांस अर्थात परिस्थितियों की गंभीरता के अनुसार क्रमिक और नियंत्रित प्रतिक्रिया के सिद्धांत को रेखांकित करती है। इसका अर्थ यह है कि भीड़ नियंत्रण में हर परिस्थिति के लिए एक ही प्रकार की शक्ति का प्रयोग उचित नहीं माना जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध, सभा और अभिव्यक्ति नागरिक भागीदारी के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। दूसरी ओर, राज्य पर सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने, हिंसा रोकने,नागरिकों की जान-माल की रक्षा करने और सार्वजनिक व्यवस्था कायम रखने का दायित्व भी है।इन दोनों दायित्वों के बीच संतुलन स्थापित करना प्रशासन की सबसे कठिन जिम्मेदारियों में से एक है।यदि कोई प्रदर्शन शांतिपूर्ण है,तो उसे केवलअसहमति या राजनीतिक आलोचना के कारण बलपूर्वक समाप्त करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता।लेकिन यदि किसी प्रदर्शन में गंभीर हिंसा आगजनी जानलेवा हमला या व्यापक सार्वजनिक खतरा उत्पन्न हो,तो राज्य निष्क्रिय भी नहीं रह सकता।

इसलिए मूल प्रश्न बल प्रयोग होना चाहिए या नहीं का नहीं, बल्कि कब, क्यों, किस अधिकार के अंतर्गत, किस सीमा तक और किस जवाबदेही के साथ बल प्रयोग किया जा सकता है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार को जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के हथियारों और गोला-बारूद से संबंधित लॉग बुक रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश इस पूरे प्रकरण का अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी पहलू है।यह आदेश किसी जवान, अधिकारी या संस्था को दोषी घोषित नहीं करता। न्यायालय ने किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहलेआवश्यक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था पर बल दिया है। कानून के शासन में निष्पक्ष जांच का पहला आधार यही है कि तथ्य नष्ट न हों, रिकॉर्ड में परिवर्तन न हो और भविष्य की न्यायिक या स्वतंत्र जांच के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध रहें।अम्युनिशन लॉग से यह समझने में सहायता मिल सकती है कि संबंधित इकाई को कितना गोला-बारूद जारी किया गया,कितना उपयोग हुआ,किस प्रकार के उपकरण या कारतूस उपलब्ध थे, किस समय किस स्तर पर उनका उपयोग दर्ज किया गया और कार्रवाई की प्रशासनिक श्रृंखला क्या थी।यह रिकॉर्ड घटनाक्रम को केवल आरोपों या प्रत्यारोपों के आधार पर नहीं, बल्कि दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर समझने का अवसर देता है। साथियों रिकॉर्ड संरक्षण का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी भी विवादित बल-प्रयोग की घटना में अक्सर दो विपरीत कथाएं सामने आती हैं।

एक पक्ष यह कह सकता है कि कार्रवाई अनावश्यक या अत्यधिक थी,जबकि दूसरा पक्ष यह तर्क दे सकता है कि सुरक्षा बलों को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ा और उन्होंने कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की। ऐसी स्थिति में निष्पक्षता केवल किसी एक पक्ष की बात स्वीकार करने से नहीं, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों की जांच से स्थापित होती है।यदि डिजिटल रिकॉर्ड, वीडियो, वायरलेस संचार, ड्यूटी चार्ट, आदेश-पत्र, अम्युनिशन लॉग और अन्य दस्तावेज यह दशार्ते हैं कि बल प्रयोग वास्तविक खतरे के अनुपात में, वैध आदेश के अंतर्गत और निर्धारित एसओपी के अनुसार हुआ, तो वही रिकॉर्ड सुरक्षा बलों की पेशेवर विश्वसनीयता को मजबूत कर सकता है। इसके विपरीत, यदि रिकॉर्ड और वास्तविक घटनाक्रम में असंगति मिलती है, तो जवाबदेही तय करने का आधार तैयार हो सकता है।इसलिए अम्युनिशन लॉग सुरक्षित रखने का अर्थ केवल संभावित जांच नहीं, बल्कि दोनों पक्षों के तथ्यों को निष्पक्ष रूप से संरक्षित करना है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ-साथ सुरक्षा बलों के लिए भी सटीकता से एक संस्थागत सुरक्षा-कवच हो सकता है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को पैलेट गन के छर्रे लगने से घायल नागरिकों और प्रदर्शनकारियों के सर्वोत्तम तथा उचित उपचार को सुनिश्चित करने का निर्देश देकर राज्य की मानवीय जिम्मेदारी को भी केंद्र में रखा।

किसी भी भीड़-नियंत्रण कार्रवाई के बाद प्रशासन का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बहाल होने तक समाप्त नहीं हो जाता। यदि किसी नागरिक को चोट लगी है,तो उसे समय पर चिकित्सा सहायता,विशेषज्ञ उपचार, आवश्यक जांच और पुनर्वास उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेष रूप से आंख, चेहरे या शरीर के संवेदनशील हिस्सों में लगी चोटें दीर्घकालिक या स्थायी प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए चिकित्सा सहायता को केवल राहत या सहानुभूति के रूप में नहीं, बल्कि सार्वजनिक प्रशासन की जवाबदेही के रूप में देखा जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों में भी यह सिद्धांत स्वीकार किया जाता है कि कानून-प्रवर्तन की कार्रवाई के बाद घायल व्यक्तियों को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस दृष्टि से न्यायालय का निर्देश केवल उपचार संबंधी आदेश नहीं, बल्कि राज्य के कर्तव्य- आधारित मानवीय दायित्व का पुनर्स्मरण है। साथियों, इस मामले में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी तथा अन्य पीड़ितों द्वारा दाखिल याचिका में नागरिक प्रदर्शनों के दौरान पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग किए जाने से बहस का एक महत्वपूर्ण आयाम सामने आया याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता ने कथित रूप से धातुयुक्त पैलेट के उपयोग पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि ऐसे पैलेट शरीर के भीतर गंभीर और स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इस तर्क के पीछे मुख्य चिंता यह है कि किसी भी भीड़-नियंत्रण उपकरण को केवल उसके नाम या घोषित उद्देश्य के आधार पर कम घातक मान लेना पर्याप्त नहीं है। किसी उपकरण के वास्तविक प्रभाव का आकलन उसके तकनीकी स्वरूप,उपयोग की दूरी,लक्ष्य, परिस्थितियों, प्रशिक्षण और इस्तेमाल की पद्धति के आधार पर किया जाना चाहिए। कोई उपकरण अपेक्षाकृत कम घातक हो सकता है, लेकिन उसका गलत, अत्यधिक या अनियंत्रित प्रयोग गंभीर चोटों का कारण बन सकता है। इसलिए उपकरण की प्रकृति के साथ-साथ उसके प्रयोग का तरीका भी कानूनी और नैतिक समीक्षा का विषय होना चाहिए। साथियों, हालांकि, सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिकाकताओं को पूर्ण प्रतिबंध की मांग के बजाय स्पष्ट और कठोर प्रोटोकॉल अथवा मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के अनुरोध पर विचार करने की सलाह देना एक व्यावहारिक और संतुलित न्यायिक दृष्टिकोण के रूप में देखा जा सकता है।

किसी उपकरण पर पूर्ण प्रतिबंध और उसके अनियंत्रित उपयोग के बीच एक तीसरा रास्ता भी हो सकता है कठोर नियमन,सीमित उपयोग, स्पष्ट अनुमति-प्रक्रिया, अनिवार्य रिकॉर्डिंग, स्वतंत्र समीक्षा और जवाबदेही। न्यायालय द्वारा पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो की एडवाइजरी का संदर्भ इस बात की ओर संकेत करता है कि भीड़-नियंत्रण के लिए स्पष्ट मानक, प्रशिक्षित कमांड संरचना और दस्तावेजी प्रक्रिया आवश्यक हैं। यदि किसी विशेष उपकरण का उपयोग केवल असाधारण परिस्थितियों में किया जाना है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि असाधारण परिस्थिति की परिभाषा क्या होगी, खतरे का आकलन कौन करेगा, अनुमति किस स्तर से मिलेगी, क्या पहले चेतावनी दी जाएगी, क्या कम-हानिकारक विकल्पों का उपयोग किया जाएगा और कार्रवाई के बाद समीक्षा किस प्रकार होगी। साथियों, इसी संदर्भ में सीआरपीएफ महानिदेशक द्वारा जवानों को निर्भय होकर अपने कर्तव्यों का पालन करने और उनके वैध तथा सद्भावनापूर्ण आधिकारिक कार्यों की जिम्मेदारी लेने से संबंधित कथन ने एक नई प्रशासनिक और संवैधानिक बहस को जन्म दिया है। किसी भी सुरक्षा बल में जवानों को यह विश्वास होना चाहिए कि यदि वे वैध आदेशों, प्रशिक्षण, नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं, तो उन्हें राजनीतिक दबाव, मीडिया ट्रायल या बिना तथ्यात्मक जांच के व्यक्तिगत रूप से बलि का बकरा नहीं बनाया जाएगा। सुरक्षा कर्मी अक्सर तनावपूर्ण, अनिश्चित और तेजी से बदलती परिस्थितियों में निर्णय लेते हैं। ऐसे वातावरण में संस्थागत समर्थन, स्पष्ट आदेश,पर्याप्त प्रशिक्षण और निष्पक्ष जांच की व्यवस्था उनके मनोबल के लिए आवश्यक है। यदि हर विवादित कार्रवाई के बाद केवल मैदान में मौजूद सबसे निचले स्तर के कर्मियों को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति विकसित हो, तो इससे कमांड व्यवस्था, पेशेवर निर्णय क्षमता और सुरक्षा तंत्र की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।लेकिन इसी कथन का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष कमांड जवाबदेही भी है। साथियों, इस पूरे प्रकरण से भारत के लिए एक व्यापक नीति- बहस भी उभरती है। भीड़ नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय स्तरपर आधुनिक,स्पष्ट और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध प्रोटोकॉल विकसित किए जाने चाहिए। इनमें बल प्रयोग की क्रमिक व्यवस्था, संवाद और चेतावनी की प्रक्रिया, प्रशिक्षित वाताकारों की भूमिका, भीड़ की प्रकृति का आकलन, महिलाओं और विद्यार्थियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए विशेष सावधानियां, चिकित्सा सहायता, वीडियो रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा, कमांड लॉग और घटना के बाद स्वतंत्र समीक्षा जैसे प्रावधान शामिल हो सकते हैं।

सिर झुकाते-झुकाते बढ़ रही उम्र: आपका मोबाइल आपकी गर्दन को कैसे प्रभावित कर रहा है?

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सुबह उठते ही फोन देखना और रात को सोने से पहले तक स्क्रीन पर समय बिताना अब सामान्य आदत बन गई है। चाहे सोशल मीडिया हो, ऑनलाइन पढ़ाई, कार्यालय का काम, समाचार पढ़ना या मनोरंजन—हर काम के लिए हम घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रहते हैं। लेकिन इस सुविधा की एक छिपी हुई कीमत भी है। लगातार सिर झुकाकर मोबाइल देखने की आदत हमारी गर्दन, रीढ़ की हड्डी और त्वचा पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। इस समस्या को आज 'टेक नेक' (Tech Neck) के नाम से जाना जाता है। सामान्य स्थिति में जब हमारा सिर सीधा रहता है, तब उसका भार गर्दन पर संतुलित रहता है। लेकिन जैसे-जैसे हम सिर को आगे की ओर झुकाते हैं, गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ की हड्डी पर पड़ने वाला दबाव कई गुना बढ़ जाता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो गर्दन में दर्द, अकड़न, कंधों में तनाव, सिरदर्द और ऊपरी पीठ में तकलीफ जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। मोबाइल का प्रभाव केवल हड्डियों और मांसपेशियों तक सीमित नहीं है। त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक गर्दन झुकाकर रखने से गर्दन की त्वचा पर झुर्रियाँ, रेखाएँ और ढीलापन समय से पहले दिखाई देने लग सकता है। इसे आमतौर पर 'टेक नेक लाइन्स' कहा जाता है। उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन गलत शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) और अत्यधिक स्क्रीन समय उम्र के निशानों को पहले ही उभार सकता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यह समस्या अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही। बच्चे और किशोर भी ऑनलाइन पढ़ाई, मोबाइल गेम, वीडियो और सोशल मीडिया के कारण प्रतिदिन कई घंटे स्क्रीन के सामने बिताते हैं। परिणामस्वरूप कम उम्र में ही गर्दन का दर्द, गलत पोश्चर और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। लगातार गर्दन पर पड़ने वाला तनाव मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक दर्द रहने से एकाग्रता कम होती है, नींद प्रभावित होती है और काम करने की क्षमता भी घट सकती है। कुछ मामलों में नसों पर दबाव पड़ने से हाथों या उंगलियों में झुनझुनी या सुन्नपन जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। अच्छी बात यह है कि टेक नेक से काफी हद तक बचाव संभव है। मोबाइल को हमेशा आँखों के स्तर के करीब रखने का प्रयास करें, ताकि गर्दन को अधिक न झुकाना पड़े। हर 20 से 30 मिनट के बाद स्क्रीन से नजर हटाकर कुछ मिनट का विराम लें। गर्दन और कंधों के हल्के व्यायाम करें तथा बैठते समय रीढ़ को सीधा रखने की आदत विकसित करें। स्क्रीन समय को सीमित करना भी आवश्यक है। खाली समय में केवल मोबाइल देखने के बजाय पुस्तक पढ़ें, टहलें, योग करें, बागवानी करें या परिवार और मित्रों के साथ समय बिताएँ।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

डीएम कविता मीना व एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट के साथ की समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। सावन माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में 247 भ्रमणशील रहें तथा ड्यूटी चार्ट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी लगातार फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें। बैठक में कांवड़ मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन, पार्किंग प्रबंधन तथा संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट की तैनाती को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न आए और यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारु बनी रहे।

जिलाधिकारी ने कांवड़ मार्ग पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, अस्थायी शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा शिविर एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कूड़ा निस्तारण के लिए अतिरिक्त सफाई कर्मियों की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगाई जाए, ताकि पूरे मार्ग पर स्वच्छता बनी रहे। बैठक में निर्देश दिए गए कि कांवड़ मार्ग से अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए। अवैध वसूली करने वालों, प्रतिबंधित डीजे संचालन तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर माहौल खराब करने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि कांवड़ यात्रा के सफल संचालन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। कंट्रोल रूम को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए तथा किसी भी घटना अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आशा संगिनियों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर किया गया क्षमता वर्धन

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा की अध्यक्षता में आशा संगिनियों की समीक्षा बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में किया गया। बैठक का उद्देश्य आशा संगिनियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उनका क्षमता वर्धन करना था। बैठक में आशा संगिनियों को संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, महिला एवं पुरुष नसबंदी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, एचपीवी टीकाकरण, आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड बनवाने, जन्मजात विकृतियों वाले बच्चों की समय पर पहचान एवं उन्हें उपचार हेतु चिन्हित करने सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही क्षेत्र में इन कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.किशोर कुमार आहूजा ने कहा कि आशा कार्यकर्ता एवं आशा संगिनियां स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संभव हो रहा है। उन्होंने सभी आशा संगिनियों से पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।बैठक में डॉ. नवीन रोहिल्ला, अमरीश कुमार (रीजनल मैनेजर, कम्युनिटी प्रोसेस), डॉ. योगेश गुप्ता (जिला प्रतिरक्षण अधिकारी), अभिनव दुबे (जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर), डॉ. मयंक, रविंद्र मावी (ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर), शबनम, अरुण, मोहित सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए हापुड़ पुलिस को मिली दो नई इंटरसेप्टर बाइक

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद में यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से हापुड़ पुलिस को आवंटित दो नई इंटरसेप्टर (दो पहिया) वाहनों को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वे प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा संवेदनशील स्थानों पर निरंतर सक्रिय रहकर पेट्रोलिंग करें। साथ ही यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने, सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। नई इंटरसेप्टर बाइक के संचालन से शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने, जाम की स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पाने तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

आईसीडीएस योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: कविता मीना

जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में पोषण, आंगनबाड़ी संचालन, टीकाकरण व सेवा वितरण की प्रगति परखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, पोषाहार वितरण, कुपोषित बच्चों की स्थिति, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, टीकाकरण तथा लाभार्थियों के सर्वेक्षण की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण पोषाहार समय से वितरित किया जाए। मेन्यू के अनुसार गर्म भोजन एवं टेक होम राशन (टीएचआर) उपलब्ध कराया जाए। यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों का समयबद्ध चिन्हांकन कर उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए तथा उन्हें विशेष पोषण उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सामुदायिक कार्यक्रमों एवं जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को संतुलित पोषण के प्रति जागरूक किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित समय पर खुलें तथा वहां पेयजल, शौचालय, बिजली और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध रहें। बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं का समय से पंजीकरण, नियमित प्रसव पूर्व जांच, पोषण परामर्श तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी सभी सेवाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोषण ट्रैकर ऐप पर सभी लाभार्थियों का डेटा समय से अपलोड किया जाए। आधार सीडिंग एवं लाभार्थियों का सत्यापन शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अधिकतम सात दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। देवता महाविद्यालय, मोरना (बिजनौर) में 32 यूपी बटालियन एनसीसी, धामपुर के कमान अधिकारी गणेश चन्द विद्यार्थी के निर्देशन में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए एनसीसी कैडेट्स द्वारा अभियान चलाया गया। कैडेट्स ने जागरूकता से संबंधित पोस्टर्स एवं स्लोगनों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता अपनाने और टीबी के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। जागरूकता अभियान के दौरान एनसीसी विभाग के सीटीओ डॉ. राजीव कुमार ने कैडेट्स को टीबी के कारणों तथा उससे बचाव के उपायों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।इस अभियान को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अशोक कुमार, डॉ. राशिद खान, डॉ. विवेक कुमार सिंह, डॉ. अमित कुमार तथा पदम सिंह का सहयोग सराहनीय रहा। अभियान में कैडेट्स उदय कुमार, बसु कुमार, नितिन कुमार, मोहित कुमार सहित कुल 30 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन में आवेदन शुरू, पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा अनुदान: उद्यान अधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं में किसानों को अनुदान उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत वर्ष 2026-27 के लिए लक्ष्य जारी होने के साथ ही किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण भी प्रारंभ कर दिया गया है। योजनाओं का लाभ 'पहले आओ, पहले पाओ' के सिद्धांत पर दिया जाएगा तथा अनुदान की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।

जिला उद्यान अधिकारी विमल कांत ने बताया कि किसान विभागीय पोर्टल http://dbt.uphorticulture.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जनपद को टिश्यू कल्चर केला, स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, पपीता, आम, अमरूद, लीची, संकर शाकभाजी, प्याज, लहसुन, फ्रूट बंच कवर, आईपीएम तथा सिंघाड़ा की खेती सहित विभिन्न योजनाओं के लिए लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा लतावर्गीय सब्जियों के लिए मचान, मल्चिंग, इको फ्रेंडली लाइट ट्रैप, फेसिंग, पावर टिलर तथा मधुमक्खी पालन जैसी योजनाओं में भी किसानों को अनुदान का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण कराने के बाद किसानों को सात दिनों के भीतर आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी की प्रति, फार्मर आईडी तथा पासपोर्ट आकार का फोटो जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। समय से अभिलेख जमा करने वाले पात्र किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अनुदान का लाभ प्रदान किया जाएगा।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले पदम सिंह जाटव, संगठन व क्षेत्रीय मुद्दों पर हुई अहम चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी नेता पदम सिंह जाटव ने बताया कि दिल्ली स्थित आवास पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों पर चर्चा हुई।पदम सिंह जाटव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने अखिलेश यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

विज्ञान प्रदर्शनी में बीआईसीटी के छात्रों ने दिखाए त्रिआयामी मॉडल, निदेशक ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर के बीआईसीटी परिसर में बृहस्पतिवार को एक विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन हुआ। इसमें जूनियर वर्ग के 22 छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और गणित पर आधारित शानदार त्रिआयामी मॉडल बनाए। उन्होंने कठिन वैज्ञानिक सिद्धांतों को बेहद सरल और रचनात्मक तरीके से पेश किया। प्रदर्शनी में आए अतिथियों और शिक्षकों ने बच्चों की इस प्रतिभा और नवाचार की जमकर सराहना की।बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रिया पांडेय, रागिनी, कौशिल्या, एकांश, अफफान, समृद्धि, प्रियंका, खुशी और यूसुफ के मॉडलों को चुना गया। संस्थान के निदेशक आकाश मिश्रा ने इन सभी होनहार छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा की भावना बढ़ती है।इस कार्यक्रम के दौरान शिवा पांडेय, मोहम्मद इस्लाम, शिव कुमार पांडेय और दुर्गेश प्रजापति सहित विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मानवता कल्याण विश्व प्रतिष्ठान में काजी आबिद अली को मिली जिम्मेदारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

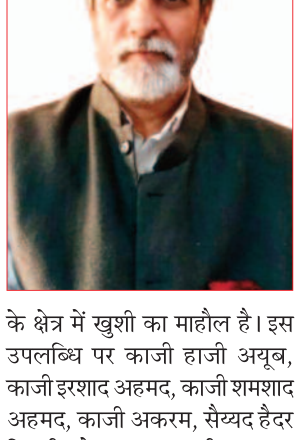

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के जाबजौवा निकट हॉलौर निवासी काजी अब्दुल हामिद वर्षों पूर्व अपने परिवार के साथ रोजगार की तलाश में मुंबई चले गए थे। उन्होंने ट्रक चालक के रूप में कड़ी मेहनत कर परिवार का पालन-पोषण किया और अपने पुत्र काजी आबिद अली को अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में शिक्षा दिलाई। वर्तमान में काजी आबिद अली स्नातक हैं और मुंबई के कुर्ला में रहकर सामाजिक कार्यों के साथ शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अपनी उत्कृष्ट शिक्षण क्षमता के बल पर उन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में काजी आबिद अली को मानवता कल्याण विश्व प्रतिष्ठान में महाराष्ट्र प्रदेश के पर्यवेक्षक के रूप मे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलने पर उनके पैतृक गांव तथा आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर काजी हाजी अयूब, काजी इरशाद अहमद, काजी शमशाद अहमद, काजी अकरम, सैय्यद हैदर रिजवी, शेख अब्दुल रहीम, प्रधान इनामुद्दीन, काजी अफसर अली, काजी नियाज अहमद, शौकत अली, चौगले तथा पठान सकील सहित अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कांवड़ियों का मार्ग सुगम बनाएं, कांवड़ियों को ना हो कोई परेशानी: अंशिका दीक्षित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित ने उपस्थित एनएचएआई व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि कांवड़ियों का मार्ग सुगम बनाएं। सड़कों में जहां कहीं भी पैचिंग कार्य अवशेष है, उसको प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाए ताकि कावड़ियों को कोई परेशानी ना हो। आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने कहा कि कावड़ मार्ग में जहां कहीं भी पुल निमार्णाधीन है उसमें ऐसी व्यवस्था की जाए ताकि कांवड़ियों को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने विद्यालयों में संचालित वाहनों की चेकिंग कराने के लिए भी कहा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने अधिकारियों को जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को सड़क व यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट व चौपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह अन्य विभागों समन्वय कर पुल के दोनों ओर प्रकाश व्यवस्था व अन्य ऐसी जगह जहां प्रकाश व्यवस्था आवश्यक है वहां प्राथमिकता पर पूर्ण करते हुए जीपीएस फोटो उपलब्ध कराए। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने बताया कि जनपद में वर्ष 2026 में 12 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए थे, सभी में सुधारात्मक कार्य जैसे संकेतक, थर्मोप्लास्टिंग, रंबल स्ट्रिप आदि कार्य करा दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 01 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक जनपद में 7715 बिना लाइसेंस के वाहनों का चालान किया गया, 324 वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिंग टेप ना होने पर कार्यवाही की गई, 10 स्कूली वाहन मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर चालान किया गया, 264 बिना फिटनेस वाहन का चालान किया गया, 324 व्यवसायिक वाहनों में स्पीड लिमिट डिवाइस ना होने पर चालान किया गया तथा 753 मोडिफाइड साइलेंसर तथा प्रेशर हॉर्न लगे होने की दशा में चालान किया गया है। इस मौके पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग व अन्य विभागों से संबंधित अधिकारी व समिति सदस्य मौजूद रहे।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार, थाना प्रभारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में पुलिस की कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में हाफिजपुर पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है।पुलिस के अनुसार नियमित वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी अरविंद चौधरी ने बताया कि जनपद में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सघन चेकिंग एवं प्रभावी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

रंजिश के चलते की गई थी मुकेश की हत्या, चार जून को कुरेर्या रेलवे लाइन किनारे मिला था शव

कोर्ट के आदेश पर पत्नी समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। दो माह पूर्व रेलवे लाइन किनारे शव मिलने के मामले में पुलिस ने अब कोर्ट के आदेश पर पत्नी समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि रंजिश के चलते युवक की हत्या कर शव को रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया था। इसके बाद मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या करने की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने न्यायालय की शरण ली। अब पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव लाह निवासी मुकेश कुमार 4 जून 2026 की सुबह करीब नौ बजे अपनी पत्नी की विदाई कराने के लिए ग्राम कुरेर्या खुर्द कलां स्थित ससुराल गया था। आरोप है कि वहां पहले से रंजिश रखने वाले ससुर नन्हेलाल, पत्नी कीर्ति देवी, साला प्रशांत, सास वीरा देवी तथा पत्नी के जीजा गयादीन ने उसे घर के अंदर बंद कर बेरहमी से मारपीट की। प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि मारपीट के दौरान ही मुकेश की हत्या कर दी गई और घटना को छिपाने के उद्देश्य से रात के अंधेरे में शव को गांव के बाहर झाड़ियों में फेंक दिया गया। अगले दिन ग्रामीणों ने झाड़ियों में शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूचना मिलने पर परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान अपने भतीजे मुकेश कुमार के रूप में की।

घटना के बाद मृतक के ससुराल पक्ष के सभी लोग घर पर ताला लगाकर फरार हो गए थे। आरोप है कि न तो वे पोस्टमार्टम के दौरान पहुंचे और न ही अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मृतक के चाचा ने दर्ज कराए मुकदमे में बताया है कि कुछ समय पहले एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान मुकेश ने अपनी पत्नी कीर्ति देवी को उसके बहनोई गयादीन के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था और मुकेश ने पत्नी को डांटते हुए थप्पड़ भी मार दिया था। इसके बाद से ससुराल पक्ष उससे रंजिश रखने लगा। यह भी आरोप लगाया गया कि पत्नी अपने मायके जाते समय अपने जेवर, कपड़े और जमीन से संबंधित कागजात साथ ले गई थी तथा धमकी देकर गई थी कि यदि दोबारा विदाई कराने आया तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। मृतक के चाचा राजेश कुमार ने न्यायालय को बताया कि घटना के बाद उन्होंने 6 जून 2026 को थाना सेहरामऊ उत्तरी में तहरीर देकर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 9 जून को न्यायालय में तथा 17 जून को पुलिस अधीक्षक को पंजीकृत डाक से शिकायत भेजी गई। इसके बावजूद न तो एफआईआर दर्ज हुई और न ही किसी आरोपी के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की गई। साथ ही पुलिस पर आरोप लगाया गया है कि वह आरोपियों से मिली हुई है और जानबूझकर हत्या जैसे गंभीर मामले में भी मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है। इसलिए न्यायालय से संबंधित थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष विवेचना कराने का आदेश देने की मांग की गई थी। पुलिस ने मामले में थाना क्षेत्र के गांव कुरेर्या खुर्द कलां निवासी मृतक मुकेश की पत्नी कीर्ति देवी, प्रशांत, नन्हेलाल, वीरा देवी तथा गयादीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है गुरुपूर्णिमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। आचार्य मनीष गगाचार्य महाराज पीठाधीश्वर गगाचार्य पीठ के आवास पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भजन संकीर्तन एवं अखंड रामायण एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। श्री गगाचार्य ने गुरु की चरण पादुकाओं का पूजन किया। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए शिष्यों ने आचार्य मनीष गगाचार्य का गुरु पूजन किया। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है, क्योंकि गुरु की कृपा ही व्यक्ति को मनुष्यत्व से देवत्व की ओर ले जाती है। उन्होंने पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने का संदेश देते हुए सभी को अपने परिवार की ओर से 2-2 पौधे लगाने की बात कही। इसके बाद उन्होंने अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देने की बात कही। इस अवसर पर सत्यनारायण अग्रवाल, सतेन्द्र पहलवान, श्रीगोपाल गर्ग, अमित सारस्वत,बालाजी अखाड़ा के अध्यक्ष अजीत पहलवान, बंटी पहलवान, डॉ नत्थी सिंह, चंद्रभान शर्मा, युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा, राजेश पाठक,अनुज उपमन्यु, सोनू मेंबर, हरिओम दादा, रवीश गगाचार्य, अजय अग्रवाल, ओमप्रकाश गर्ग, अजय सिकरवार, शिवा गर्ग, ललित गर्ग, रवेंद्र सिंह,अजय अग्रवाल, शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नाबालिग किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला, चार के खिलाफ एफआईआर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम शेरपुर कलां में पुरानी रंजिश को लेकर दवा लेने जा रहे नाबालिग किशोर का रास्ता रोककर मारपीट करने और चाकू से हमला कर घायल करने का आरोप लगा है। घटना के बाद घायल किशोर के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद युवकों समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।ग्राम शेरपुर कलां निवासी हसन हैदर पुत्र रियासतुल्ला खां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका नाबालिग पुत्र रिजान हैदर गुरुवार को करीब 11:30 बजे दवा लेने जा रहा था। आरोप है कि प्राथमिक विद्यालय के पास अरमान पुत्र नईम और तौहीद पुत्र शाकिर ने बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल लगाकर उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद दोनों ने किशोर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।आरोप है कि इसी दौरान अरमान की मां और एक अज्ञात महिला भी मौके पर पहुंच गईं। पीड़ित पक्ष के अनुसार, दोनों महिलाओं के हाथ में चाकू थे और इसी दौरान किशोर पर चाकू से हमला कर दिया गया। चाकू लगने से किशोर घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और किसी तरह किशोर को आरोपियों से बचाया।तहरीर के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजन घायल किशोर को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। इसके बाद पीड़ित के पिता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी।पुलिस ने तहरीर के आधार पर अरमान पुत्र नईम, तौहीद पुत्र शाकिर, अरमान की मां और एक अज्ञात महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संतों का सम्मान कर 71 दीप जलाए, समाज में सुख-शांति की कामना

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमुंहा। कस्बा स्थित ब्रह्मा जी मंदिर परिसर में भाजपा नेता व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शोभाराम शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं द्वारा संत सम्मान एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान संतों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया गया तथा समाज में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए 71 दीप प्रज्ज्वलित किए गए।

कार्यक्रम में राधा मोहन जी गौशाला के संचालक एवं यमुना रक्षक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत जयकृष्ण दास महाराज का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं ब्रह्मा जी मंदिर के महंत धनीराम बाबा का भी सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं और कार्यकताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्र और समाज की उन्नति की प्रार्थना की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पंडित शोभाराम शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में संतों का स्थान सर्वोपरि है। संत समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं और उनके मार्गदर्शन से सामाजिक समरसता, नैतिकता तथा आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ते हैं।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति संतों की परंपरा पर आधारित रही है। संतों के आदर्श और उनके संदेश आज भी समाज को एकजुट रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि दीप प्रज्ज्वलन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान, सेवा और सद्भाव का प्रकाश फैलाने का प्रतीक है। उन्होंने सभी से समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। राजाराम शर्मा, सियाराम शर्मा, डॉ राजवीर सिंह, मुरारी सिंह मण्डल अध्यक्ष, राजू पहलवान, जगन्नाथ सिंह, कालू पहलवान, माधव, शिवराम सिंह, राहुल शर्मा, मुकेश सिसोदिया उपस्थित रहे।

रेलवे पुलिया के नीचे अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम निवाजपुर के पास गुरुवार सुबह रेलवे पुलिया के नीचे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव के आसपास और घटनास्थल से काफी दूरी तक खून के निशान मिलने तथा युवक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए जाने से प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं कुछ लोगों द्वारा युवक की ट्रेन से गिरकर मौत होने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। बताया गया कि गुरुवार सुबह ग्रामीणों की नजर रेलवे पुलिया के नीचे पड़े एक युवक के शव पर पड़ी। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में भी जांच-पड़ताल की और साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया।मृतक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। काफी प्रयास के बावजूद समाचार लिखे जाने तक युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। शव केआसपास काफी दूरी तक खून के निशान मिलने से मामला संदिग्ध माना जा रहा है। शरीर पर चोटों के निशान भी मिले हैं, जिसके चलते आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या करने के बाद शव को रेलवे पुलिया के नीचे फेंका गया हो। हालांकि, पुलिस अभी किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डुमरिया मठ की भूमि विवाद पहुंचा अपर आयुक्त के दरबार, एसडीएम तमकुहीराज को जांच के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के ग्राम डुमरिया मठ की भूमि से जुड़े विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। मठ के महंत रूद्रानंद गिरी ने बुधवार को अपर आयुक्त गोरखपुर को ज्ञापन सौंपकर मठ की भूमि पर कथित अवैध अतिक्रमण के मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

महंत रूद्रानंद गिरी का कहना है कि राजस्व निरीक्षक (आरआई) की रिपोर्ट उपलब्ध होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उनका आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा मठ की भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे धार्मिक स्थल की भूमि पर संकट उत्पन्न हो गया है।

महंत ने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि संबंधित भूमि के नीचे भगवान श्री विष्णु एवं भगवान भोलेनाथ की प्राचीन प्रतिमाएं होने की संभावना है। इस संबंध में उन्होंने पुरातत्व विभाग से जांच कराने की मांग की है, जो फिलहाल लंबित बताई जा रही है। महंत का आरोप है कि खतौनी के अनुसार कब्रिस्तान का रकबा 48 डिसमिल दर्ज है, जबकि लगभग 104 डिसमिल भूमि पर बाउंड्री करा दी गई है। उन्होंने मांग की है कि राजस्व अभिलेखों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर कथित अवैध अतिक्रमण हटाया जाए और मठ की भूमि को सुरक्षित कराया जाए।

महंत द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लेते हुए अपर आयुक्त गोरखपुर अजय कुमार राय ने एसडीएम तमकुहीराज को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले में स्थानीय प्रशासन की जांच और रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

उमस भरी गर्मी के चलते परिषदीय स्कूलों का समय बदलने की मांग

मथुरा/बलदेव। उमस भरी गर्मी के कारण परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को स्कूल से घर लौटते समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में स्कूलों की छुट्टी दोपहर 2 बजे होती है, जो दिन का सबसे अधिक गर्म समय होता है। तेज धूप और उमस के कारण छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे लाल पड़ जाते हैं तथा उन्हें अत्यधिक गर्मी झेलनी पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की समस्या भी बनी हुई है। कई विद्यालयों में नियमित बिजली न होने से पंखे नहीं चल पाते, जिससे बच्चों और शिक्षकों को उमस व गर्मी में पढ़ाई करनी पड़ती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए अभिभावकों व शिक्षक नेता योगेश चौधरी, विश्वेंद्र सिंह, करतार सिंह, कर्मवीर सिंह, विक्रम सिंह,सुजीत वर्मा आदि ने जिलाधिकारी मथुरा से मांग की है कि परिषदीय विद्यालयों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाए, ताकि बच्चों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे।

विश्व प्रकृति दिवस पर विद्यालयों में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, बच्चों ने रोपे पौधे

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। विश्व प्रकृति दिवस के अवसर पर अमरिया विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय भंगा मोहम्मद गंज अमरिया समेत विभिन्न विद्यालयों में बुधवार को उत्साह और उमंग के साथ विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही उन्हें संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर पर्यावरण को हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक पौधे रोपे और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। पौधारोपण के दौरान बच्चों को बताया गया कि पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, स्वच्छ हवा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी आधार हैं।

कंपोजिट विद्यालय भंगा मोहम्मद गंज अमरिया के इंचार्ज प्रधानाध्यापक खेमपाल सिंह ने विद्यार्थियों को प्रकृति के पांच प्रमुख तत्वों जल, वायु, अग्नि, आकाश और पृथ्वी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संतुलन के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने स्तर से प्रयास करे। उन्होंने बच्चों को पेड़-पौधों की सुरक्षा करने, जल की बबार्दी रोकने और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर निबंध लिखकर प्रकृति बचाने का संदेश दिया। रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करने और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए प्रकृति को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई ऊर्जा और जिम्मेदारी का भाव पैदा किया।

महंगाई की मार और बेरोजगारी के मुद्दे पर धनपति वर्मा का बड़ा हमला

कहा जनता के सवालों से भाग रही सरकार, अब गांव-गांव उठेगी आवाज

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने ग्राम जरा, लालपुर माधोटाडा, विधिपुर, शिवनगर, ग्रांट-1 बानगंज, इटौरिया जा विहारीपुर, विहारीपुर ज० इटौरिया, बुढ़िया ज० नौगमा, पलिया माफी, वकैनिया ता० महद, हसनापुर, सिधौरा बिंदुआ, मित्रपुर, महदखास और शेरगंज सहित कई गांवों में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने प्रदेश सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल कानून व्यवस्था की दोहरी-तिहरी मार झेलने को मजबूर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे और प्रचार तो खूब कर रही है, लेकिन गांवों की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। ग्रामीण आज भी सड़क, बिजली, पानी और बुनियादी सुविधाओं के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत और पसीने से फसल पैदा करता है, लेकिन उसे अपनी उपज का उचित मूल्य हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर नौजवान रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और गरीब तथा मजदूर परिवार बढ़ती महंगाई के चलते आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की वास्तविक परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है और जनहित के गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए प्रचार-प्रसार का सहारा लिया जा रहा है। कानून व्यवस्था को लेकर भी धनपति वर्मा ने सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की पीड़ा दिखाई नहीं दे रही, लेकिन समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को दबने नहीं देगी। धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को उठाने का आह्वान किया। ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी और विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं। धनपति वर्मा ने भरोसा दिलाया कि जनता की हर आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। इस दौरान डॉ. ऋषिपाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

सांप काटने पर झाड़-फूंक नहीं, तुरंत अस्पताल पहुंचें: अपर जिलाधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। बरसात के मौसम में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति ने जनपदवासियों के लिए सर्पदंश से बचाव, पहचान, प्राथमिक उपचार एवं उपचार संबंधी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। उन्होने लोगों से अपील की है कि सावधानी और समय पर उपचार ही सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। एडवाइजरी में बताया गया है कि भारत में लगभग 270 से अधिक प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ ही अत्यधिक विषैले होते हैं। इनमें प्रमुख रूप से करैत, कोबरा, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर को सबसे खतरनाक माना जाता है। करैत सांप का रंग चमकदार काला या नीला, सफेद पतली धारियाँ होती है। काटने पर बहुत हल्का दर्द या बिल्कुल दर्द नहीं होता, लेकिन जहर बहुत तेजी से असर करता है। मांसपेशियों में लकवा, सांस लेने में दिक्कत होती है। रात समय में ज्यादा सक्रिय होता है। कोबरा सांप का रंग काला, भूरा या पीला, फन फैलाने पर पीछे 'ओम' या 'चश्मा' जैसा निशान होता है, इसके काटने से तेज दर्द, सूजन, उल्टी, सांस रुकना, मांसपेशियों में कमजोरी होती है, यह दिन और रात दोनों में सक्रिय रहता है। रसेल वाइपर सांप का रंग पीले-भूरे रंग पर गहरे गोल निशान होता है, इसके काटने से तेज दर्द, सूजन, रक्तस्राव, उल्टी, गुर्दे फेल हो सकते हैं। यह दिन में सक्रिय रहता है, खासकर खेतों में। सॉ-स्केल्ड वाइपर का रंग भूरा या ग्रे, जिगजैग पैटर्न का होता है, इसके काटने से बहुत दर्द, सूजन, खून जमने की समस्या, आंतरिक रक्तस्राव होता है। यह रात में सक्रिय होता है।

उन्होने बताया कि सर्पदंश होने पर घबराने के बजाय पीड़ित को शांत रखें, काटे गए अंग को अधिक हिलने-डुलने न दें तथा घाव को साफ पानी और साबुन से धोकर बिना देर किए निकटतम सरकारी अस्पताल पहुंचाएं। यदि संभव हो तो सांप के रंग या आकार को याद रखें, लेकिन उसे पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें। एडवाइजरी में सांप के काटने के लक्षण के बारे में बताया गया कि दो छेद जैसे निशान, सूजन व दर्द, उल्टी, चक्कर, बेहोशी, सांस लेने में कठिनाई, खून जमने में दिक्कत (ब्लीडिंग), लकवा या शरीर का सुन्न होता है। सर्पदंश से बचाव के उपाय के सम्बन्ध में बताया गया है कि फर्स/जमीन पर न सोएं, चारपाई का प्रयोग करें। झाड़ियों और घास की सफाई रखें, घर के आसपास। खेत या जंगल में जूते और फुल पैंट पहनें। टॉर्च/लालटेन लेकर चलें रात में, दरवाजे और खिडकियाँ बंद रखें, विशेषकर बारिश में, चूहों की सफाई करें, क्योंकि सांप चूहों को खाने आते हैं। सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार के सम्बन्ध में बताया गया है कि व्यक्ति को शांत रखे, ताकि जहर तेजी से न फैले, काटे गए अंग को हिलने न दें, स्थिर रखें, काटा स्थान धोएं (साफ पानी और साबुन से), व्यक्ति को सीधा अस्पताल ले जाएं, समय ही जीवन है। अगर हो सके तो सांप का रंग/आकार याद रखें, पर पकड़ने की कोशिश न करे। एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि झाड़-फूंक, तांत्रिक उपचार या घरेलू नुस्खों पर भरोसा करना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी प्रकार काटे गए स्थान को ब्लेड से काटना, चूसना, कसकर बांधना या पीड़ित को दौड़ाना भी नुकसानदायक है। ऐसे किसी भी उपाय से बचने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में यह भी बताया गया है कि भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पतालों में पॉलीवेलेंट एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) उपलब्ध है, जो विषैले सांपों के जहर के उपचार में प्रभावी है। पीड़ित को जितनी जल्दी एंटीवेनम उपचार मिल जाएगा, उसके स्वस्थ होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। जिला प्रशासन ने जनसामान्य से अपील की है कि सर्पदंश की किसी भी घटना में तत्काल 108 अथवा 102 एम्बुलेंस, 112 आपातकालीन सेवा या 1077 जिला आपदा नियंत्रण कक्ष पर संपर्क करें तथा निकटतम पीएचसी/सीएचसी या सरकारी अस्पताल में पहुंचकर चिकित्सकीय उपचार अवश्य प्राप्त करें।

श्रावण मास की तैयारियों पर प्रशासन अलर्ट

जिलाधिकारी आलोक कुमार व एसपी संदीप कुमार मीना ने प्रमुख शिव मंदिरों का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के शुभारंभ के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से तहसील मेहदावल क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कोपिया शिव मंदिर, गावकली स्थित झरखंडी शिव मंदिर तथा बखिरा के बाबा कुबेरनाथ शिव मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसरों, संपर्क मार्गों तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रावण मास में आने वाले लाखों शिवभक्तों एवं कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। डीएम एवं एसपी ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के लिए प्रभावी प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक व्यवस्था की नियमित निगरानी करते रहें। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्गों एवं मंदिर परिसरों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण कर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि जनपद में कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हो।

बीडीओ सेमरियावा ने पत्रकारों के संग की बैठक

ग्रामीण पत्रकारों ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की ओर से बृहस्पतिवार को मंडल उपाध्यक्ष महेन्द्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में मण्डल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर व खलीलाबाद तहसील अध्यक्ष अतीक अहमद के नेतृत्व में खंड विकास कार्यालय सेमरियावा में खंड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास कार्यों से जुड़ी सूचनाओं के नियमित आदान-प्रदान, पत्रकारों की भूमिका तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पारदर्शिता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों और प्रशासन के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि विकास योजनाओं की सही जानकारी समय पर आमजन तक पहुंच सके। साथ ही पत्रकारिता की आड़ में फर्जी तरीके से घूम रहे लोगों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई कराने पर भी सहमति बनी। संगठन की ओर से प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में पत्रकारों से निष्पक्ष, निष्ठापूर्वक एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की निगरानी कर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री मुहम्मद अदनान, तहसील उपाध्यक्ष मसरूर अहमद, रसल कुमार श्रीवास्तव, खुर्शीद आलम, इरशाद अहमद सहित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पति समेत जेठों पर मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप, विवाहिता ने दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने अपने पति व ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट, छेड़छाड़ और हत्या के प्रयास का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब सात वर्ष पूर्व उसकी शादी गाजियाबाद जनपद के कस्बा लोनी निवासी युवक से हुई थी। आरोप है कि पति शराब के नशे में आए दिन उसके साथ मारपीट करता है, जबकि उसके दो जेठ उस पर बुरी नीयत रखते हुए छेड़छाड़ करते हैं। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती है। विवाहिता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके दोनों बच्चों को उससे अलग कर लिया और गले में फंदा लगाकर हत्या का प्रयास भी किया। मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के बाद मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया तथा मायके छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता ने पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मैं मामले में पीड़ित विवाहिता को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गंगेरू में बंदरों का आतंक जारी, यूकेजी की छात्रा पर हमला कर किया घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू की गुजरान पट्टी मोहल्ले में आवारा बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड ने घर के बाहर खेल रही यूकेजी की छात्रा पर हमला कर दिया। बंदरों के हमले में घायल छात्रा को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराकर एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया। गांव में आए दिन हो रही बंदरों की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

घायल छात्रा की पहचान माही पुत्री राहुल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार माही घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड आया और उस पर टूट पड़ा। बंदरों ने छात्रा को नोच लिया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। मासूम छात्रा की चीख सुनकर उसके पिता राहुल मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर किसी तरह बंदरों को भगाकर बेटी को बचाया। इसके बाद परिजन तुरंत घायल छात्रा को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्सा कौन है मासूम छात्रा को प्राथमिक उपचार कर संक्रमण से बचने के लिए एंटी रेबीज की वैक्सीन लगाई और हालात सामान्य होने पर छुट्टी दे दी।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बंदरों के हमले में घायल छात्रा माही के सिर और हाथ में चोट के निशान थे। संक्रमण से बचाव के लिए उसे एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया और घाव की ड्रेसिंग की गई। उपचार के बाद उसकी हालत सामान्य पाई गई, जिसके चलते उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी। ग्रामीणों में प्रशासन से बंदरों से निजात पाने के लिए पकड़ने की मांग की है।

दुधारा गांव में बंदरों का आतंक, ग्रामीणों में फैली दहशत, जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

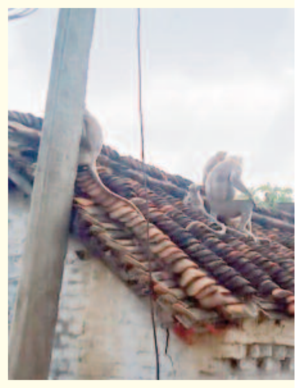

संतकबीरनगर। दुधारा गांव में बंदरों की बढ़ती संख्या से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। बंदर आए दिन घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं, छतों पर रखे सामान को नुकसान पहुंचाते हैं और महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों पर हमला कर रहे हैं। इससे पूरे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के डर से बच्चों का घर से बाहर निकलना और महिलाओं का छतों पर जाना भी मुश्किल हो गया है। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्राम प्रधान अब्दुल कलाम, मुहम्मद शोएब, अतीकुर्रहमान, गुलाम हुसैन, मुश्ताक अहमद, रिजवानुल्लाह, एकरार अहमद, नसीम अहमद, शमशाद हुसैन, मोहम्मद जैद, अब्दुल बारी, अमीरुद्दीन, अबुलवफा, नौशाद आलम , गुफरान अहमद, हाफिज शहबाज अहमद, एजाज अहमद, मोहम्मद असद मौलाना उबैदुर्रहमान मजाहिरी ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से मांग की है कि बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उचित स्थान पर स्थानांतरित कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

विकास की नयी इबारत लिख रहा है निगम: महापौर

वार्ड 39 में महापौर डॉ. अजय कुमार ने किया सड़कों व नाला निर्माण का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज वार्ड संख्या-39 स्थित इंदिरा कॉलोनी, कांशीराम कॉलोनी, भट्टा कॉलोनी एवं अनमोल विहार में चार सड़कों एवं एक नाले के निर्माण कार्य का पूजा अर्चना व सड़क पर गेंती चलाकर विधिवत शुभारंभ किया। इस निर्माण कार्य पर करीब 80 लाख रुपये की लागत आयेगी। नगर विधायक राजीव गुंबर व अनेक पार्षद भी इस अवसर पर मौजूद रहे। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगर विधायक राजीव गुंबर आज जब वार्ड 39 पहुंचे तो क्षेत्र के लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। क्षेत्र के लोगों एवं महिलाओं ने भी निर्माण कार्यो के शुभारंभ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने पहले पूजा अर्चना करायी और उसके बाद गेंती चलाकर निर्माण कार्यो की शुरूआत की। निर्माण कार्यो का शुभारंभ करते हुए महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड में विकास की नयी इबारत लिख रहा है। निर्बाध एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए पम्पों की स्थापना, सड़कों का निर्माण, जल निकासी के लिए नाले-नालियों का निर्माण लगातार कराया जा रहा है। इन विकास कार्यो से लोगों को बेहतर सड़क, जल निकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँ मिल रही हैं जिससे शहर के लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि सहारनपुर ने पिछले नौ वर्षो में काफी तरक्की की है। शहर में पेयजल आपूर्ति, सड़कों की स्थिति और साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं में काफी सुधार हुआ है, और विकास का यह सिलसिला निरंतर जारी है। कार्यक्रम में पार्षद राजकुमार शर्मा, मनोनीत पार्षद शिवमंगल सिंह के अलावा राजेश पंडित, महिमा सिंह, अमित चौहान तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

गंगा को साफ, निर्मल एवं स्वच्छ बनाए रखना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है: जिलाधिकारी मयूर दीक्षित

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) स्वप्निल अनिरुद्ध की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की 75वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, घाटों की स्वच्छता, सीवेज प्रबंधन एवं समिति के एजेंडे में शामिल विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभागीय वनाधिकारी ने गंगा संरक्षण से जुड़े कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि गंगा को साफ, निर्मल एवं स्वच्छ बनाए रखना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगा संरक्षण से जुड़े कार्यों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी दशा में कूड़ा-कचरा, ठोस अपशिष्ट अथवा अन्य गंदगी गंगा में न जाने पाए इसके लिए घाटों एवं संवेदनशील स्थलों पर नियमित निगरानी रखी जाए तथा गंगा में गंदगी डालने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंगा घाटों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने दिया जाए। घाटों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा जहां भी अतिक्रमण की स्थिति मिले, वहां तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और घाटों की स्वच्छता एवं व्यवस्था बनी रहे। प्रभागीय वनाधिकारी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के नियमित निरीक्षण के निर्देश देते हुए कहा कि सभी एसटीपी निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों तथा बिना उपचारित सीवेज किसी भी स्थिति में गंगा अथवा उससे जुड़े जल स्रोतों में प्रवाहित न होने पाए। उन्होंने संबंधित विभागों को एसटीपी की कार्यप्रणाली की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी खामी का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में गंगा संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं लंबित कार्यों की भी समीक्षा की गई। प्रभागीय वनाधिकारी ने सभी विभागों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा गंगा संरक्षण के लिए जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक का सफल संचालन जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे सत्यदेव आर्य द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा)मीनाक्षी मित्तल, उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, डीपीआरओ मोहम्मद मुस्तफा खां, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, आर एम सिडकुल कमल किशोर कफाल्टिया, एफएसओ एफडीए कैलाश चन्द्र टम्टा, यूकेपीसीबी डॉ. अजीत सिंह, डॉ रश्मि सिंह, सहायक जिला पंचायत राजअधिकारी हेमचंद्र, सहायक अभियंता सिंचाई अनुज बंसल सहित जिला गंगा संरक्षण समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा भोलेनाथ को समर्पित: ओ पी उनियाल

देहरादून। जिस प्रकार से विभिन्न प्रकार की धार्मिक यात्राएं देश के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर आयोजित की जाती हैं उसी प्रकार सावन माह में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। कांवड़ यात्रा मुख्य रूप से उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों और पवित्र धार्मिक स्थलों पर आयोजित की जाती है। कांवड़िए पवित्र नदियों का जल लेने के लिए कंधे पर कांवड़ रखकर पैदल यात्रा करते हैं। लौटकर फिर उस जल से अपने-अपने क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। इस यात्रा का अलग ही महत्व है। सावन माह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। श्रद्धालु शिव की आराधना करते हैं, व्रत रखते हैं। पौराणिक मान्यताओं एवं ऐतिहासिक दस्तावेजों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख मिलता है। आज कांवड़ यात्रा आधुनिकता के रंग में रंगी हुयी नजर आती है। हर साल कांवड़ियों की संख्या बढ़ जाती है। पुरुषों व बच्चों के अलावा महिलाएं भी इस भव्य उत्सव में प्रतिभाग करती हैं। इस यात्रा का असली उद्देश्य भोले के प्रति सच्चे भाव से आस्था रखना है।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने कांवड़ियों से किया सीधे संवाद, जाना व्यवस्थाओं का हाल

देर शाम नगर निगम के अधिकारियों के साथ नगरायुक्त ने किया कांवड रुट का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। कांवड़ यात्रा 2026 को सकुशल, स्वच्छ एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज नगरायुक्त शिपू गिरि ने निगम अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग, शिविर स्थलों एवं प्रमुख पड़ावों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, शौचालय एवं विद्युत सुरक्षा की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। मार्ग में कहीं भी जलभराव, गड्ढे अथवा बाधा न हो, इसके लिए सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने कांवड़ियों से सीधे संवाद भी किया और कांवड़ शिविर में अपने हाथ से कांवड़ियों को भोजन भी परोसकर सेवा भी की।

नगरायुक्त ने मंडी हि.प्र. के सुरेश चंद तथा कैथल के दिलगाब सिंह से व्यवस्थाओं के सम्बंध में फीडबैक लिया। शिवभक्तों ने पेयजल, विश्राम स्थल, सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्थायी एवं अस्थायी शौचालयों की सफाई व उनमें पानी की आपूर्ति की स्वयं टोंटियां खोलकर जांच की। नगर आयुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवी संगठनों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें इसी ऊर्जा एवं समर्पण के साथ निरंतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्त कांवड़िये हमारे अतिथि हैं और उनकी सेवा करना हमारी प्राथमिकता और सौभाग्य है, स्वच्छ पर्यावरण के साथ सेवा ही सच्ची आस्था है। उन्होंने कहा कि यह कार्य किसी एक विभाग या संगठन का नहीं, बल्कि पूरे शहर की प्रतिष्ठा का विषय है। हम सभी को टीम भावना से कार्य करना है। उन्होंने शिविर संचालकों एवं कांवड़ियों को आश्वस्त किया कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा चौबीस घंटे कंट्रोल रुम सक्रिय रहेगा। नगरायुक्त ने अधिकारियों एवं शिविर आयोजकों को शिविरों में साफ-सफाई एवं कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, कांवड़ यात्रा को 'जीरो प्लास्टिक इवेंट' के रूप में मनाने, श्रद्धालुओं को जैव-निम्नीकरणीय/बायोडिग्रेडेबल सामग्री-कागज,पत्तल के गिलास, प्लेट, कुल्हड़ एवं कपड़े तथा जूट के बैग आदि के उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने, शिविरों में पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा सुनिश्चित करने, विद्युत कनेक्शन मानकों के अनुसार तथा अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाने और ध्वनि प्रदूषण मानकों का पालन करने व मार्ग में किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो, इसे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त/नोडल अधिकारी कांवड़ यात्रा मृत्युंजय, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र मिश्र, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीन शाह, समस्त जोनल अधिकारी सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बुलंदशहर: कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर डीएम-एसएसपी ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने थाना अनूपशहर क्षेत्र स्थित एल.डी.ए.बी. इंटर कॉलेज में पुलिस अधिकारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में कांवड़ यात्रा मार्ग, शिविर स्थलों, प्रमुख चौराहों, घाटों और संवेदनशील स्थानों पर की गई व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के लिए पूरे जनपद को 5 सुपर जोन, 19 जोन और 59 सेक्टरों में विभाजित किया है, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। समीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन मॉनिटरिंग और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली सहित श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं पर विशेष चर्चा हुई। डीएम और एसएसपी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित पुलिस रिस्पॉन्स सुनिश्चित करने के आदेश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रियों के सुरक्षित आवागमन, सुचारु यातायात व्यवस्था और आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग प्रभावी समन्वय के साथ कार्य करें। थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी और संबंधित अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे तथा किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करेंगे। बैठक में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के अलावा लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, नगर पालिका, परिवहन विभाग, जल निगम, अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नरौरा बैराज पर गंगा का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट, तटीय किनारे गांवों में सतर्कता बढ़ाई गई

वेलकम इंडिया संवाददाता

नरौरा/बुलंदशहर/रामघाट। बुलंदशहर जिले के नरौरा स्थित चौधरी चरण सिंह गंगा बैराज पर पिछले 24 घंटों में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज को 'मीडियम फ्लड' (मध्यम बाढ़) की श्रेणी में रखा गया है। प्रशासन ने गंगा किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और नदी के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील की है। गंगा बैराज के जल लेखा सहायक देवेश कुमार के अनुसार, गुरुवार सुबह 8:00 बजे बैराज से डाउनस्ट्रीम में 1,40,452 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जबकि बुधवार शाम यह मात्रा 99,984 क्यूसेक थी। यानी करीब 16 घंटों में लगभग 40 हजार क्यूसेक पानी की वृद्धि दर्ज की गई है। बैराज से निकलने वाली प्रमुख नहरों में भी जल प्रवाह जारी है। लोअर गंगा कैनाल (एलजीसी) में 8,099 क्यूसेक तथा पैरेलल लोअर गंगा कैनाल (पीएलसी) में 7,432 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने निचले और तटीय क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ा दी है। संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और स्थानीय लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

राजनीतिक गुरु को दान-दक्षिणा अर्पित कर लिया उनका आशीर्वाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर डिबाई क्षेत्र के गांव तुलसीगढ़ी निवासी राहुल वर्मा पुत्र स्वर्गीय राकेश वर्मा ने पूर्व एटा सांसद राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया को अपना राजनीतिक गुरु मानते हुए उनका सम्मान किया। राहुल वर्मा ने राजवीर सिंह के गले में फूलों की माला पहनाई, दान-दक्षिणा भेंट की तथा चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु ही वह व्यक्ति होता है जो जीवन में सही और गलत का मार्ग दिखाता है। चाहे वह आध्यात्मिक गुरु हों, माता-पिता हों या राजनीतिक क्षेत्र के मार्गदर्शक, गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च होता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में राहुल वर्मा ने अपने राजनीतिक जीवन में मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए राजवीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल नेतृत्व की सराहना की।

श्रावण मास: अहार में कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, मंदिर परिसर में बना अस्थायी थाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा एवं महाशिवरात्रि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए अहार क्षेत्र में प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और व्यवस्थागत तैयारियां पूरी कर ली हैं। कांवड़ यात्रा मार्ग और मंदिर परिसर में शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक नियमों का पालन कराया जा रहा है। बिजली विभाग ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों और बिजली के खंभों को पॉलीथीन से ढककर सुरक्षित कर दिया है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। वहीं जहांगीराबाद रोड स्थित शराब की दुकानों को टेंट से ढक दिया गया है।

पुलिस प्रशासन ने स्याना रोड और बुकलाना रोड पर घरों के सामने भैंसा-बुग्गी खड़ी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे कांवड़ियों के आवागमन में कोई बाधा उत्पन्न न हो। इसके अलावा मार्ग के किनारे खेतों में लगी झटका मशीनों को भी बंद करा दिया गया है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव किया जा सके। थाना प्रभारी नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि अहार क्षेत्र के कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ कर दी गई है। मंदिर परिसर में अस्थायी थाना स्थापित किया गया है तथा सीसीटीवी कैमरे सक्रिय कर दिए गए हैं। महाशिवरात्रि मेले की व्यवस्था को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की मांग भी की गई है। उन्होंने बताया कि गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग करा दी गई है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गोताखोरों की तैनाती कर उन्हें आवश्यक जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

सिद्ध बाबा गंगा घाट मेले में अव्यवस्थाओं का रहा अंबार, श्रद्धालु रहे परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी/अहार। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अहार क्षेत्र स्थित सिद्ध बाबा गंगा घाट पर आयोजित दो दिवसीय मेले में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। हालांकि भारी भीड़ के बीच मूलभूत सुविधाओं के अभाव ने श्रद्धालुओं की आस्था पर अव्यवस्थाओं का साया डाल दिया। श्रद्धालुओं का आरोप है कि मेले में शौचालय, पार्किंग, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, प्रकाश व्यवस्था और सुचारु यातायात जैसी आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं कराई गईं। गंगा स्नान के बाद महिलाओं को कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम नहीं मिले, जबकि शौचालयों के अभाव में भी लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, सिद्ध बाबा मेले की तहबाजारी का ठेका करीब 25 लाख रुपये में दिया जाता है। ठेका शर्तों के तहत ठेकेदार को पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होता है। इसके बावजूद अधिकांश व्यवस्थाएं धरातल पर नजर नहीं आईं। मेले में भारी भीड़ के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने से वाहन सड़क किनारे खड़े रहे, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकेदार की ओर से कोई स्वयंसेवक भी मौके पर दिखाई नहीं दिया और अधिकांश व्यवस्थाएं पुलिस प्रशासन के भरोसे ही संचालित होती रहीं। भारतीय किसान यूनियन युवा मंडल के अध्यक्ष गौरव नागर सहित कई लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मेले के ठेके की शर्तों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा भविष्य में श्रद्धालुओं के लिए शौचालय, पार्किंग, चेंजिंग रूम और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में विज्ञान मेले का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के आहार रोड स्थित स्वामी सत्यानंद सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में गुरुवार को विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में विद्यालय की छात्राओं ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान से जुड़े कई आकर्षक एवं वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किए। छात्राओं ने आधुनिक नवाचारों, पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता पर आधारित मॉडल बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की आचार्या अन्नू गर्ग का विशेष योगदान रहा। आयोजित विज्ञान मेले में मूल्यांकन के लिए मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के रूप में नगर के सम्मानित डॉ. देवेंद्र गर्ग, डॉ. नीरज अग्रवाल, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. संतोष गुप्ता, पवन गुप्ता, श्रीमती ममता गर्ग, श्रीमती माधवी अग्रवाल, श्रीमती अरुणा गर्ग, श्रीमती प्राची गर्ग, श्रीमती वर्षा गुप्ता और डॉक्टर कल्पना गुप्ता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मॉडलों की सराहना करते हुए विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा और रचनात्मक सोच की भरपूर प्रशंसा की। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र शर्मा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और शोध की भावना को विकसित करते हैं तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। विज्ञान मेले में छात्राओं की असाधारण प्रतिभा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच ने उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती उमा गुप्ता और प्रधानाचार्य योगेश त्यागी के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। इसे सफल बनाने में श्रीमती चित्रा चौधरी, कविता वर्मा, मनीषा माहेश्वरी, नीलम, आकाश अग्रवाल, मदनमोहन शर्मा और जतिन सिंह सहित समस्त आचार्य बंधुओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया, भंडारे का किया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पीयूष ननुआ कमठान आश्रम रामघाट की संचालक ऋतु कमठान के नेतृत्व में ननुआ चपरासी की शौभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई इस अवसर पर तीन दिन तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया आश्रम ननुआ जी के चरणों में दूर दराज जनपदों से आए भक्तों ने दान-दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पीयूष ऋतु कमठान एवं पुत्र सात्विक कमठान सहित पूरा परिवार उपस्थित रहा।

अहमदगढ़ में गंदे पानी से होकर स्कूल जाने को मजबूर बच्चे, वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ क्षेत्र में गंदे पानी से होकर स्कूल जाते मासूम बच्चों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो ने गांव की मूलभूत सुविधाओं और स्थानीय व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह रास्ता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, श्मशान घाट और स्कूल तक जाने का प्रमुख मार्ग है। सड़क पर जलभराव और गंदगी के कारण स्कूली बच्चों को रोजाना गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। वायरल वीडियो के बाद ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव (सेक्रेटरी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का आरोप है कि गांव के विकास कार्यों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जिसके चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है। हालांकि, विकास निधि के दुरुपयोग संबंधी आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गंदे पानी से होकर आने-जाने के कारण बच्चे किसी बीमारी की चपेट में आते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? उन्होंने प्रशासन से तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था कर मार्ग को दुरुस्त कराने की मांग की है। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और स्थानीय लोग संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

महिला के नाम धोखाधड़ी से लोन करवाकर एक लाख उड़ाए, डीआईजी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा (रामपुर)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लाम्बाखेड़ा निवासी सद्दाम ने अपनी पत्नी के नाम पर फर्जी लोन सैंक्शन करवाकर उसके बैंक खाते से करीब एक लाख रुपये निकालने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए डीआईजी के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता के अनुसार अहसान और उसकी पत्नी हाशमी ने उसकी पत्नी को बाजपुर जिला ऊधम सिंह नगर के एक फाइनेंस बैंक में ले जाकर उनके नाम पर 50 हजार रुपये का लोन सैंक्शन करवाया। लोन से पहले पंजाब नेशनल बैंक में बीसी पॉइंट के माध्यम से नया खाता खुलवाया गया। इस खाते और पत्नी के आधार कार्ड पर उनकी जानकारी के बिना अपना मोबाइल नंबर जुड़वा दिया गया। इसके बाद यूपीआई आईडी बनाकर खाते से करीब एक लाख रुपये निकाल लिए गए।

इस धोखाधड़ी में शकिर, उसकी पत्नी रेशमा निवासी लाम्बाखेड़ा तथा दानिश निवासी ग्राम परसुपुरा, थाना टांडा का भी नाम लिया गया है। दानिश चार पहिया वाहन से आवागमन करता था। जब बैंक वाले किस्त मांगने घर पहुंचे तब पत्नी को धोखाधड़ी का पता चला। सद्दाम ने थाना टांडा में शिकायत दी थी, जहां आगंतुक पर्ची दी गई। सूचना मिलने पर आरोपी क्रोधित होकर उसके घर पहुंचे, गाली-गलौज की और कहा कि अगर मुकदमा लिखाया तो झूठे मुकदमे लिखवाकर जान से मार देंगे। सद्दाम का कहना है कि वह और उसकी पत्नी अशिक्षित हैं। डीआईजी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप, रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के मुमरेजपुर निवासी सोमपाल सिंह चौहान पुत्र जगवीर सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को प्रार्थना पत्र देकर गांव के कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि 19 जुलाई 2026 की सुबह करीब 6 बजे आरोपी लाठी-डंडे लेकर उसके घर पहुंचे और परिवार के साथ मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। सूचना पर पुलिस भी पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले गई।

पीड़ित का आरोप है कि अगले दिन 20 जुलाई को आरोपियों ने उसके घर के सामने मंदिर पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का प्रयास किया, जिसका विरोध करने पर फिर विवाद हुआ। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने अहमदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन कार्रवाई के बजाय उसका ही चालान कर दिया गया। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल अहमदगढ़ थाना पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर 06 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

लडाना में नाली विवाद को लेकर चले लाठी-डंडे, 73 वर्षीय बुजुर्ग घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। बुलंदशहर के थाना खानपुर क्षेत्र के गांव लडाना में नाली विवाद एक बार फिर हिंसक हो गया। बुधवार को दो पक्षों के बीच हुए विवाद में लाठी-डंडे चलने से 73 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित राकेश पुत्र लक्ष्मीनारायण निवासी लडाना ने थाना खानपुर में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि अनिल, प्रमोद पुत्रगण सियाराम, मोनू पुत्र अनिल तथा मूलचंद पुत्र सोहनलाल ने नाली विवाद को लेकर उनके घर में घुसकर उनके परिजनों के साथ मारपीट की और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी खानपुर रितेश सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

गोताखोर का पुलिस ने किया शांतिभंग में चालान

रामघाट/बुलंदशहर। एक गोताखोर युवक ने आत्महत्या का नाटककर हजारा नहर में छलांग लगाई सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची गोताखोरों की मदद से युवक को बाहर निकाला और गिरफ्तार कर शांति भंग की कार्रवाई की है यह मामला पूरे दिन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

आपको बता दें थाना रामघाट क्षेत्र के ग्राम गोकुलपुर खादर निवासी 20 वर्षीय कालू पुत्र हिम्मत हजारा नहर के बीच पुल से नहर में छलांग लगा दी प्रत्यक्ष दर्शियों ने देखकर शोर मचाया और रामघाट पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही रामघाट थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शुक्ला एवं पुलिस चौकी प्रभारी मोहित कुमार रामघाट मय पुलिस बल मौके पहुंचकर नहर में कूदे युवक का पीछा करते हुए गोकुलपुर ग्राम तक पहुंच गए तब पता चला कि युवक ग्राम गोकुलपुर का है और तैराकी है तब जाकर रामघाट पुलिस ने राहत की सांस ली गांव के गोताखोरों की मदद से नहर से बाहर निकला और पुलिस को परेशान करने वाले युवक के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की है।

जिला जज, डीएम और एसएसपी ने किया राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शुक्रवार को जिला जज संजय सिंह, जिलाधिकारी कुमार हर्ष और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बाल बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आवास, भोजन, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की तथा बाल बंदियों के हित में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अस्मा सुल्ताना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुलंदशहर के सचिव विकास चौधरी, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड निवेदिता सिंह प्रथम, जिला प्रोबेशन अधिकारी जय प्रकाश यादव, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राहुल शर्मा तथा जेल अधीक्षक रमेश यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ सुंदरकांड पाठ का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर स्थित अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, गाजियाबाद के स्वागत हाल में हनुमान जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा श्रीरामचरितमानस के सुंदरकांड का सामूहिक सस्वर पाठ श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ प्रारंभ किया गया। पूरे वातावरण में धार्मिक उल्लास, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् सीए (डॉ.) अनुज गोयल ने भगवान श्रीगणेश, कुलदेवता, प्रभु श्रीराम एवं हनुमान जी का स्मरण करते हुए सभी के सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. पूनम गोयल ने माता सीता और भगवान श्रीराम का वंदन कर हनुमान जी का आह्वान किया तथा सभी को धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में माया गोयल ने भी भावविभोर होकर सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया। वहीं कॉलेज के ट्रस्टी एवं सुप्रसिद्ध अधिवक्ता अमन गोयल ने श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। पाठ के दौरान समय-समय पर ₹मंगल भवन अमंगल हारी₹ और ₹जय सिया राम₹ के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। इस धार्मिक आयोजन में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सुंदरकांड पाठ के उपरांत सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ एवं भक्ति-भजनों का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोजन ग्रहण कराया गया। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता तथा भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।

नवनियुक्त एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार का श्री श्याम सेना ट्रस्ट ने किया भव्य स्वागत एवं सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नवनियुक्त उपजिलाधिकारी (एसडीएम) श्रीमती कोमल पंवार का गुरुवार को श्री श्याम सेना ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर गुलदस्ता भेंट करते हुए स्वागत एवं सम्मान किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मीडिया फॉर यू समाचार पत्र के संपादक एवं श्री श्याम सेना ट्रस्ट के संस्थापक नीरज गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट द्वारा संचालित सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों की जानकारी देते हुए क्षेत्र के विकास एवं जनहित के विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। नीरज गुप्ता ने कहा कि श्री श्याम सेना ट्रस्ट सदैव सामाजिक सरोकारों, धार्मिक आयोजनों तथा जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और भविष्य में भी प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर समाजहित में कार्य करता रहेगा। एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने सामाजिक संगठनों की रचनात्मक भागीदारी को जनहित में महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के महासचिव महक सिंह, सहसचिव प्रफुल अग्रवाल, मोदीनगर अध्यक्ष सोनम शर्मा, मोहनलाल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बच्ची के साथ की बदतमीजी, दो लड़कों को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। लंका पुरी कॉलोनी में बराबर में किराए पर रहने वाले ने 12 साल की बच्ची के साथ रास्ते में स्कूल जाते वक्त बदतमीजी करी और उसको धमकी दी यदि अपने घर बताएगी तो तेरे ऊपर तेजाब डाल देंगे। जिसकी जानकारी हिंदू रक्षा दल के नीरज कुमार शर्मा को मिली वह पुलिस को लेकर मौके पर पहुंचे और दो लड़कों को पकड़ कर पुलिस को सौंपा।

उन्हीं लड़कों के मोबाइल में उसे लड़की की वीडियो थी, जो उन्होंने इंस्टाग्राम पर डाल रखी थी। पुलिस मोबाइल अपने साथ ले गई है और मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 हैंडबॉल चैंपियनशिप में डॉक्टर के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। द मिलेनियम अकादमी में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 बॉयज हैंडबॉल चैंपियनशिप में कुल 21 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में डीपीएस संजय नगर, जीआरडी इंटरनेशनल स्कूल, सेंट फ्रांसिस स्कूल, एपीजे स्कूल, डीपीएस मेरठ, विद्याज्ञान, माउंट लिटेरा स्कूल, माउंट हिल स्कूल (मथुरा), आरकेपीएस गाज़ियाबाद तथा डॉक्टर के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल, मोदीनगर सहित कई प्रतिष्ठित विद्यालयों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

डॉक्टर के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 वर्ग में स्वर्ण पदक, अंडर-19 वर्ग में स्वर्ण पदक तथा अंडर-17 वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय एवं मोदीनगर का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा शर्मा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और विद्यालय का नाम रोशन करने की शुभकामनाएँ दीं।

इस उपलब्धि में विद्यालय के समर्पित प्रशिक्षकों सुभाष तेवतिया एवं अनुभव का विशेष योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

डॉक्टर के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल परिवार अपने इन विजेता खिलाड़ियों पर गर्व करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है।

आईआईए के पदाधिकारियों ने सिखेड़ा रोड पर एक नया विद्युत फीडर दिए जाने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आई आई ए के पदाधिकारियों ने विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच को एक ज्ञापन सौंप कर सिखेड़ा रोड को एक नया विद्युत फीडर दिए जाने की मांग की गई है। उत्तरप्रदेश शासन की विद्युत सुधार योजना के अंतर्गत मोदीनगर क्षेत्र को आवंटित धनराशि में से सिखेड़ा रोड को एक नया विद्युत फीडर दिए जाने, अबूपुर एवं सिबली औद्योगिक क्षेत्रों की विद्युत लाइंस को ऊंची करने का मांगपत्र आई आई ए मोदीनगर के चेयरमैन राज ढींगरा, सदस्य कार्यसमिति ब्रिज मोहन कपूर एवं सदस्य नामित केंद्रीय कार्यसमिति डॉ मुकेश गर्ग द्वारा मोदीनगर की विधायक डॉ मंजू शिवाच को सौंपा गया।

नोएडा पुलिस के खिलाड़ियों ने रचा स्वर्णिम इतिहास, पुलिस कमिश्नर ने नकद पुरस्कार देकर बढ़ाया हौसला

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर(वेलकम इंडिया)। खेल के मैदान में शानदार प्रदर्शन कर नोएडा पुलिस के खिलाड़ियों ने एक बार फिर विभाग का गौरव बढ़ाया है। विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

43वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन क्लस्टर प्रतियोगिता-2026 (मुरादाबाद) में आरक्षी विवेक गुप्ता ने विभिन्न स्पधाओं में 7 स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें 50,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

महिला मुख्य आरक्षी रूबी मिश्रा ने 3 स्वर्ण पदक जीतने पर 50,000, मुख्य आरक्षी रूपेश ने 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीतने पर 40,000, जबकि आरक्षी आकाश को 2 स्वर्ण पदक जीतने पर 40,000 का पुरस्कार दिया गया।

वहीं, तृतीय भारतीय पुलिस योग प्रतियोगिता (करनाल, हरियाणा) में मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार ने 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर विभाग का नाम रोशन किया। उन्हें भी 40,000 के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने सभी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और विभाग का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

आरक्षण की मांग को लेकर जाट समाज की बैठक का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। केंद्र सरकार की नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में जाट आरक्षण की मांग को लेकर जाट समाज ने पुनः कमर कस ली है।

आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए अखिल भारतीय जाट आरक्षण समिति के संयोजक यशपाल मलिक के नेतृत्व में अलग अलग शहरों में बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

मोदीनगर के एक रेस्टोरेंट में भी गुरुवार को जाट समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में यशपाल मलिक मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए कि सरकार 2017 के बाद से हर चुनाव में केंद्र सरकार की नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में जाट आरक्षण की बात करती आ रही है लेकिन आज तक इसे पूरा नहीं किया।

अखिल भारतीय जाट आरक्षण समिति के तत्वावधान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ब्लॉक लेवल पर बैठक कर समाज के संघर्षशील नेताओं, बुजुर्गों व आम लोगों से विचार विमर्श कर शांतिपूर्ण आंदोलन की रणनीति बनाई जा रही है।

बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम के संयोजक सतीश तेवतिया, नेपाल सिंह, धर्मेंद्र उर्फ पप्पी नेहरा, सतीश नेहरा, विजय मलिक, सुभाष सांगवान, गोविंद चौधरी, सभासद वेद प्रकाश चौधरी, संदीप सांगवान, सुमन चौधरी, लक्ष्मण राठी, दीपक राठी, रुपेश पूनिया, बाबा परविंदर, योगेंद्र बल्हारा, बाबा चौधरी, विपिन, दिनेश चौधरी, सतीश राठी, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

जनता दर्शन में डीएम ने सुनी फरियाद, दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ने के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया। साथ ही जिलाधिकारी ने जूम के माध्यम से अधिकारियों से संवाद कर लंबित शिकायतों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश भी दिए।

जनता दर्शन के दौरान मिशन समर्थ अभियान के तहत बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों ने आवेदन प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी पात्र आवेदकों को प्राथमिकता के आधार पर मिशन समर्थ से जोड़ते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। नंदग्राम निवासी दिव्यांग श्यामलाल के आवेदन पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हुए उन्हें मिशन समर्थ अभियान से जोड़कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के लिए गाजियाबाद पूरी तरह तैयार, सुरक्षा से सुविधाओं तक प्रशासन ने कसी कमर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और ऐतिहासिक बनाने के लिए गाजियाबाद जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप सभी विभाग समन्वय, सतर्कता और जनसहभागिता के साथ कार्य करें, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, प्रकाश और यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जनपद में 6 कंट्रोल रूम, 11 जोनल मजिस्ट्रेट, 24 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 108 सब मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। प्रमुख मार्गों और स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, वॉच टावर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था

रहेगी। मुरादनगर गंगनहर (छोटा हरिद्वार) सहित प्रमुख स्नान एवं जलाभिषेक स्थलों पर गोताखोरों, बैरिकेडिंग और सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती की गई है।

कांवड़ मार्गों पर 6,970 स्ट्रीट लाइटें, चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस सेवाएं और आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। डीएम ने बताया कि सभी कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेंगे और हर सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की 14 टीमें लगातार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी करेंगी।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने जनपदवासियों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं से प्रशासन का सहयोग करने, यातायात नियमों का पालन करने तथा किसी भी समस्या की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को देने की अपील की है, ताकि कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, भव्य और सफल बनाया जा सके।

तहसील बार एसोसिएशन के चुनाव में रामकुमार चौधरी अध्यक्ष तथा सौरभ मुदगल सचिव चुने गए

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील बार एसोसिएशन के चुनाव में रामकुमार चौधरी अध्यक्ष तथा सौरभ मुदगल सचिव पद के लिए चुने गए। तहसील बार एसोसिएशन मोदीनगर के चुनाव के लिए गुरूवार को मतदान हुआ। जिसमें 107 अधिवक्ताओं ने अपने अपने मतों को प्रयोग किया। दोहपर 2 बजे तक हुए मतदान के बाद 3 बजे मतगणना शुरू हुई। जिसके करीब एक घंटे बाद बार एसोसिएशन के चुनाव का परिणाम सामने आया। चुनावी परिणाम में अध्यक्ष पद पर रामकुमार चौधरी ने 55 मत प्राप्त करते हुए अपने प्रतिद्वंदी भुवनेश्वर प्रसाद भारद्वाज को 3 मतों से पराजित किया, जबकि सचिव पद के लिए चुनावी मैदान में उतरे सौरभ मुदगल ने 63 मत प्राप्त करते हुए अपने प्रतिद्वंदी संजय मुदगल को 19 मतों से परास्त किया। वहीं कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सचिन दीक्षित ने 57 मत प्राप्त करते हुए अपने प्रतिद्वंदी अंकित शर्मा को 3 मतों से हरा दिया। चुनावी परिणाम घोषित होने के बाद विजय प्रत्याशियों और उनके समर्थकों अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है।

सरकारी अस्पताल में ऑपरेशन के नाम पर वसूली का आरोप, सर्जन का वीडियो वायरल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद जिला संयुक्त अस्पताल के एक सर्जन का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग सवालों के घेरे में आ गया है। वायरल वीडियो में सर्जन डॉ. महेंद्र कुमार पर एक मरीज से ऑपरेशन के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मामले को लेकर जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि यह प्रकरण अभी उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने कहा कि यदि इस संबंध में शिकायत प्राप्त होती है तो मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वायरल वीडियो के सामने आने के बाद मरीजों और आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी अस्पतालों में इलाज के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है तो यह गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

कांवड़ यात्रा पर कमिश्नरेट पुलिस अलर्टः पुलिस आयुक्त ने पूरे रूट का किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद ने गुरुवार को गंगनहर से पाइपलाइन रोड, टीलामोड़, जॉनी बॉर्डर तथा मेरठ रोड से कादराबाद बॉर्डर तक कांवड़ यात्रा मार्ग का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं सहित श्रद्धालुओं के लिए की गई सभी तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने ड्यूटीरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने यात्रा मार्ग पर प्रभावी पुलिस व्यवस्था बनाए रखने, यातायात को सुचारु एवं निर्बाध संचालित करने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल और संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता, समर्पण और बेहतर समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा श्रद्धालुओं को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराएं। कमिश्नरेट पुलिस ने भरोसा दिलाया कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था पर एसीपी का फोकस, कंट्रोल रूम व रूट का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्रीमती उपासना पाण्डेय ने कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने विजयनगर कांवड़ रूट का भ्रमण कर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसीपी ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, यातायात संचालन तथा आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सतर्कता और समन्वय के साथ संचालित की जाएं। पुलिस अधिकारियों को पूरे रूट पर लगातार निगरानी बनाए रखने और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रताप विहार में 51 अशोक के पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रताप विहार स्थित रामलीला ग्राउंड में भारतीय जनता पार्टी की ओर से महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान 51 अशोक के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश दिया गया।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

उन्होंने लोगों से अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आ'ान किया।

उनका कहना था कि पेड़-पौधे शुद्ध वायु, हरित वातावरण और सकारात्मक ऊर्जा के प्रमुख स्रोत हैं।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री यतेंद्र शर्मा, राकेश चौहान, राकेश शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने भी वृक्षारोपण में भाग लेकर लगाए गए पौधों के संरक्षण और पोषण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का संकल्प दोहराया।

कांवड़ ड्यूटी पर पुलिसकर्मियों का बढ़ाया हौसला, बांटे रेनकोट, छाते और बैटन लाइट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर यातायात पुलिस ने अपनी तैयारियों को और मजबूत कर दिया है। गुरुवार को मेरठ तिराहा पर पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात एवं सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम ने यातायात व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों को जनसहयोग से आवश्यक सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों को रेनकोट, छाते एवं पेयजल कैम्पर उपलब्ध कराए गए। वहीं रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान बेहतर यातायात संचालन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैटन लाइट भी वितरित की गई।

अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वे कांवड़ यात्रा ड्यूटी पूरी निष्ठा, सतर्कता और कर्मठता के साथ निभाएं तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और निर्बाध यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में कोई कमी न रहने दें। इस दौरान अधिकारियों ने जनसहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

सावन की शुरूआत पर शिवभक्ति में लीन दिखे डीएम, श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में किया जलाभिषेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन माह के प्रथम दिवस जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया।

उन्होंने प्रदेश और जनपदवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना करते हुए सभी के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए उन्हें सावन माह की शुभकामनाएं दीं तथा प्रसाद और आशीर्वाद भेंट किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सावन माह भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और आस्था का प्रतीक है। यह समाज में सद्भाव, सकारात्मक ऊर्जा और लोककल्याण की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।